नई दिल्ली
शनिवार
14 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 71
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158



बिहारवासियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ...पेज-05

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और...पेज-08

एक नजर

क्वाड नेताओं की 17 नवंबर को मनीला में होगी बैठक

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी फिलीपींस यात्रा के दौरान भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बने हिन्द-प्रशांत से जुड़े चार देशों के समूह क्वाड के शीर्ष नेताओं की बैठक होने जा रही है। सूत्रों के अनुसार क्वाड नेताओं की बैठक 17 नवंबर को होगी। यह बैठक पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के बाद होगी। यह पहली बार है कि क्वाड नेताओं की बैठक इन देशों के बजाय किसी अन्य देश में हो रही है। साथ ही फिलीपींस हिन्द प्रशांत क्षेत्र के केंद्र में पड़ता है। क्वाड शिखरवार्ता सितंबर 2024 के बाद नहीं हुई। क्वाड देशों के शीर्ष नेता पिछली 21 सितंबर 2024 को अमेरिका के विलमिंगटन में साथ बैठे थे। इसके बाद से समूह की मंत्री स्तर की बातचीत ही होती रही है। उल्लेखनीय है कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया से मिलकर बना क्वाड एक स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार सुबह तीन दिवसीय यात्रा पर मनीला रवाना होंगे। यहां वे वार्षिक भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने और व्यापार एवं निवेश संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

बांग्लादेश से सकारात्मक व रचनात्मक संबंध चाहता है भारत

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर दोहराया कि वह बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध चाहता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में व्यापार, रेलवे, जल संसाधन और सीमा प्रबंधन पर हुई बैठकों का उल्लेख करते हुए कहा कि अगली कांसुलर वार्ता आपसी सहमति से तय की गई तारीख पर होगी। प्रवक्ता का यह बयान 17-18 नवंबर को होने वाली निर्धारित कांसुलर वार्ता के हाल ही में स्थगित होने के संदर्भ में था। यह वार्ता पिछले दो साल में पहली बार स्थगित हुई है। माना जा रहा है कि यह मामला पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत में स्थिति और बांग्लादेश से प्रत्यर्पण के अनुरोधों को लेकर तनाव की स्थिति से जुड़ा है। जायसवाल ने शुक्रवार को नियमित पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत-बांग्लादेश कांसुलर वार्ता का अगला दौर, जिसमें संशोधित यात्रा समझौते से संबंधित मामलों पर भी चर्चा होगी, आपसी सहमति से तय की गई तारीख पर आयोजित किया जाएगा। भारत बांग्लादेश के साथ सभी द्विपक्षीय मुद्दों पर मौजूदा व्यवस्थाओं के माध्यम से, तकनीकी स्तर सहित, चर्चा करने के लिए तत्पर है।

कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों पर सरकार सख्त, ज्यादा पैसे वसूलने पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। कैंसर मरीजों को राहत देने के लिए सरकार ने 137 कैंसर की दवाओं की कीमतों पर निगरानी बढ़ा दी है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को निर्देश दिए हैं कि वे दवा कंपनियों, मेडिकल स्टोर और अस्पतालों में नई कीमतों का पालन सुनिश्चित करें। इन दवाओं की नई कीमतें 9 नवंबर से लागू हो चुकी हैं। अब दवा कंपनियों, दुकानदारों और अस्पतालों को तय कीमत पर ही दवाएं बेचनी होंगी। साथ ही अपनी दुकानों और वेबसाइटों पर नई कीमतों की सूची भी लगानी होगी। प्राधिकरण ने साफ किया है कि अगर कोई दुकानदार या कंपनी तय कीमत से ज्यादा पैसे वसूलती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के मैसूरु में भारत के पहले एलईडी डोम तारामंडल, 'कॉसमॉस-मैसूरु तारामंडल' का उद्घाटन किया

मैसूरु में नया 'कॉसमॉस तारामंडल' ब्रह्मांड के अजूबों को युवा मस्तिष्कों के करीब लाता है: मोदी



नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कर्नाटक के मैसूर में भारत के पहले एलईडी डोम तारामंडल, 'कॉसमॉस-मैसूर तारामंडल' का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कन्नड़ भाषा में शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'विवेक स्मारक' के उद्घाटन के कुछ ही महीनों बाद, 'कॉसमॉस तारामंडल' को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए मैसूरु वापस आने पर खुशी प्रकट की। उन्होंने बताया कि जहाँ 'विवेक स्मारक' आत्म-चिंतन और आध्यात्मिक खोज के लिए प्रेरित करता है, वहीं 'कॉसमॉस तारामंडल' विशाल ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए हमारी दृष्टि को आकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने इन दोनों स्थलों के गहरे सांस्कृतिक संदेश पर जोर दिया। श्री मोदी ने कहा, 'यह इस बात का उदाहरण है कि भारत में आध्यात्मिकता और विज्ञान की परंपराएं हमेशा एक साथ आगे बढ़ी हैं।

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि कैसे हमारे प्राचीन पूर्वजों ने आकाश का सूक्ष्म अध्ययन किया, ग्रहों और तारों की गति को समझा, कैलेंडर बनाए, और सूर्य व चंद्र ग्रहणों की गणना की। उन्होंने आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य और नीलकंठ सोमयाजी जैसे महान भारतीय खगोलशास्त्रियों की विरासत की जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'उस समय आज की तरह उन्नत उपकरण और तकनीक नहीं थी; फिर भी, उन्होंने महान खोज कीं और कठिन गणनाएं कीं। मैसूरु की ज्ञान-संस्थानों को बढ़ावा देने की समृद्ध परंपरा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मैसूर, युवाओं और नागरिकों को यह अत्याधुनिक तारामंडल (प्लेनेटेरियम) समर्पित करके भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रहा है। इस परंपरा में महाराजा नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार के तहत मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना और बेंगलुरु में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस' की नींव रखने में वाडियार शाही परिवार की अहम भूमिका शामिल है, जिसने विद्वानों की कई पीढ़ियों को सशक्त बनाया है। उन्होंने बताया कि एलईडी गुंबद के अंदर शो देखना अपने आप में अद्भुत अनुभव था, और इस उपलब्धि के लिए उन्होंने पूरे देश को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा, 'मैं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, मैसूर विश्वविद्यालय, सरकार के विभिन्न विभागों और इसके निर्माण से जुड़े सभी लोगों को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने भारत के राष्ट्रीय आदर्श वाक्य के विकासक्रम पर बल दिया - 'जय जवान, जय किसान' से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा जोड़े गए 'जय विज्ञान' और उनके अपने द्वारा जोड़े गए 'जय अनुसंधान' तक, जो 21वीं सदी के भारत का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने पिछले साल मुंबई में आयोजित 'इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स' में भारतीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की और वियतनाम में इस साल के आयोजन में उनके शानदार प्रदर्शन का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत से पांच विद्यार्थी वियतनाम गए थे; जिनमें से चार ने स्वर्ण पदक और एक ने रजत पदक जीता, जो पूरे देश के लिए गर्व की बात है। श्री मोदी ने इस वर्ष के इंटरनेशनल ओलंपियाड में गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान जैसे विषयों में स्वर्ण या रजत पदक जीतने वाले युवा भारतीय विद्यार्थियों की रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धियों पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि जब भी युवा भारतीयों को सीखने के संसाधन, तकनीक, उपकरण और संस्थागत सहयोग मिलता है, तो वे असाधारण उपलब्धियां हासिल करते हैं। श्री मोदी ने कहा, 'यह कॉसमॉस तारामंडल अब उनके सपनों को आकार देने में भी बहुत सहायता करेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक स्तर पर हो रहे तेजी से तकनीकी बदलावों के बीच कोई भी देश धीमी गति से आगे बढ़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने पिछले एक दशक में खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में भारत की अभूतपूर्व प्रगति का जिक्र किया। इसमें नई दूरबीनों और इसरो के महत्वपूर्ण मिशन शामिल हैं, जैसे कि चंद्रयान-3 के जरिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनना और भारत की पहली अंतरिक्ष सौर वेधशाला, 'आदित्य-एल1' (Aditya-Lv) को लॉन्च करना।

प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं, करें आमने-सामने की बहसः राहुल गांधी



नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनका फोन टैप कर रहे हैं और जो आरोप वह लगा रहे हैं, उन सभी के सबूत उसी फोन में मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर आमने-सामने की बहस की चुनौती दी और कहा कि इससे साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देश विरोधी है। उनके पास इस संबंध में कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हैं और ये सभी जानकारियां उनके फोन में हैं। श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में श्री मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा, 'मोदी जी, अपने ही गोदी मीडिया के दिवाली मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर। लोग आपके, मंच आपका, माहौल आपका-फिर भी स्क्रिप्ट चाहिए थी। लगता है दबाव में घबरा गए हैं। खैर, कोई बात नहीं। मुझसे बहस में भी टेलीप्रॉम्प्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का बैठा लीजिए। बस आइए तो सही। देश जानना चाहता है- असली देशद्रोही कौन है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद में बहस की बात करती है, लेकिन जब भी उन्होंने संसद में मुद्दे उठाने की कोशिश की तब उनका माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान विधेयक, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब और एपस्टीन से जुड़े मुद्दों पर उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि वह भाषण वाली बहस नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने की चर्चा चाहते हैं। इसमें एक तरफ श्री मोदी और दूसरी तरफ वह स्वयं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाते हैं और वह भी उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उधर आप अडानी जी को जज बनाना चाहते हों, मोहन भागवत को बनाना चाहते हों, वो सब ठीक है, मगर मैं गारंटी दे रहा हूं, 'वन-ऑन-वन' डिबेट के बाद प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।

नहाय-खाय से शुरू हुआ छठ महापर्व, पूजा की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़े लोग



नई दिल्ली,एजेंसी। आस्था और सूर्य उपासना को समर्पित चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ हो गई। दिल्ली में छठ पूजा की सामग्री खरीदने के लिए लोग बाजारों में बड़ी संख्या में बाजार आ रहे हैं। छठ पूजा का समापन 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। सूर्यदेव और छठी मैया को समर्पित चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय के साथ होने के बाद दिल्ली की आजादपुर मंडी, गाजीपुर मंडी, वाराणसी की फल मंडियों तथा विभिन्न स्थानीय बाजारों में खरीदारों के जुटने से कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बन गई है। छठ महापर्व को लेकर छोटे-छोटे बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। फल, गन्ना, नारियल, सूप, दउरा और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदार पहुंचने लगे हैं। मिट्टी के चूल्हे, नए बर्तन और छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री की मांग भी बढ़ रही है।

नहाय-खायः- इस पर्व की शुरुआत स्नान और पवित्रता के साथ सात्विक भोजन (कद्दू-भात और चने की दाल) ग्रहण कर व्रती इस महापर्व की शुरुआत करती हैं।

खरनाः- व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होता है।

संध्या अर्घ्यः-रविवार को शाम का अर्घ्य है। इस दिन नदी, तालाब या छठ घाटों पर एकत्र होकर अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।

उषा अर्घ्य और पारणः-सोमवार को ऊषा अर्घ्य के बाद पारण होता है। इस दिन व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करके चार दिवसीय महापर्व का समापन करेंगी।

शाह से डॉ. संजय निषाद की मुलाकात, 2027 चुनाव को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान निषाद समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, पार्टी पदाधिकारियों से संबंधित विषयों और आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. संजय निषाद ने समाज की मांगों से संबंधित पत्र भी गृहमंत्री को सौंपा। भेंट के दौरान आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ने, जीत की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर सकारात्मक बातचीत हुई। मीडिया से बात करते हुए डॉ. संजय निषाद ने कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निषाद पार्टी के लिए सदैव महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि अमित शाह के साथ हुई मुलाकात में समाज के हितों और संगठन से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

आईएनएस चिल्का से 2,756 अग्निवीर भारत की समुद्री सेना का हिस्सा बने



नई दिल्ली,एजेंसी। आईएनएस चिल्का में शुक्रवार को शानदार पासिंग आउट परेड के बाद 2,756 अग्निवीर नाविक के रूप में भारत की समुद्री सेना का हिस्सा बन गए, जिनमें 142 महिलाएं भी हैं। प्रशिक्षण पूरा करने वाले भारतीय नौसेना के 286 मेडिकल असिस्टेंट और इंडियन कोस्ट गार्ड के 316 नाविक भी परेड में शामिल हुए। नौसेना के इस ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षण लेने वाला यह अब तक का सबसे बड़ा बैच है, जिसमें 3,358 लोगों की ट्रेनिंग एक साथ पूरी हुई है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन परेड के मुख्य अतिथि और समीक्षा अधिकारी थे। इस मौके पर दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना के साथ वरिष्ठ नौसेना अधिकारी, सिविल और मिलिट्री संस्थानों के जाने-माने लोग, वेटरन, स्टूडेंट्स और पासिंग आउट प्रशिक्षुओं के पारिवारिक सदस्य मौजूद थे। नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह परेड प्रशिक्षुओं के करियर में एक अहम पड़ाव थी, जो अब भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल में अनुशासित, काबिल और समुद्री योद्धा के तौर पर शामिल होकर समुद्र में जिन्दगी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। आईएनएस चिल्का से पास आउट होने वाले अग्निवीर के इस 9वें बैच ने 16 हफ्ते की कड़ी ट्रेनिंग पूरी की है। भारतीय नौसेना के सबसे बड़े ट्रेनिंग सेंटर आईएनएस चिल्का पर हुई यह पासिंग आउट परेड युवा रंगरूटों को अनुशासित, शारीरिक रूप से फुर्तीला, मानसिक रूप से मजबूत और प्रोफेशनली काबिल समुद्री योद्धा बनाने के लिए डिजाइन की गई। प्रशिक्षण के दौरान इन्हें पढ़ाई, फिजिकल कंडीशनिंग, स्विमिंग, परेड ट्रेनिंग, आउटडोर एक्टिविटीज और कैंप का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा चरित्र निर्माण, नेतृत्व, अनुशासन, भाईचारा और टीमवर्क के साथ ही ड्यूटी, ऑनर और करेज जैसे नेवी के खास मूल्यों को भी सिखाया गया। पासिंग आउट परेड प्रशिक्षुओं के लिए गर्व और कामयाबी का पल रहा, क्योंकि उनके परिवार ट्रेनिंग के सफर के आखिर और एक नए करियर की शुरुआत के गवाह बने।

मुख्यमंत्री मान को पाक से मिले निमंत्रण पर विदेश मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय नीति का पालन होना चाहिए



नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि अन्य देशों के साथ संबंध एक राष्ट्रीय नीति पर चलते हैं और सभी को उसका अनुपालन करना चाहिए। उनका यह बयान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लाहौर में होने वाले पंजाबी सम्मेलन के निमंत्रण के संबंध में था।

मुख्यमंत्री मान सार्वजनिक तौर पर इसमें शामिल होने की इच्छा जता चुके हैं। हालांकि उन्होंने इस संबंध में केंद्र से राजनीतिक मंजूरी को लेकर शंका जताई है। वहीं इस मुद्दे पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मान को वीजा सुविधा देने की भी बात कही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा अन्य देशों के साथ संबंधों के संदर्भ में, हमारी एक राष्ट्रीय नीति है और हम सभी से इसका पालन करने की अपेक्षा करते हैं। विदेश यात्रा पर जाने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए राजनीतिक मंजूरी के संबंध में मंत्रालय अपनी समग्र नीति के अनुरूप मूल्यांकन करता है और तदनुसार निर्णय लिया जाता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के प्रति हमारी स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पंजाब के मुख्यमंत्री मान को पाकिस्तान के लाहौर में 27-29 नवंबर को होने वाले विश्व पंजाबी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री मान बैठक में शामिल होना चाहते हैं तो पाकिस्तान उन्हें वीजा जारी करने पर विचार करने को तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की मंजूरी के होने का इस यात्रा के लिए वीजा जारी करने से संबंध नहीं है।

पीयूष गोयल ने आईआईटीएफ 2026 का किया उद्घाटन

कहा-आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा देश



नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को भारत मंडपम में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ 2026) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। गोयल ने इस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुखद संयोग है कि महापर्व छठ पूजा के अवसर पर व्यापार मेले का शुभारंभ हो रहा है। यह मेला पूरे भारत की कहानी को देश-दुनिया के सामने रखने का माध्यम बनेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक इस बार आईआईटीएफ 2026 में देखने को मिलेगी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा, 'हाल की प्रदर्शनियों की सफलता को देखते हुए, हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि हम जल्द ही 'भारत मंडपम' के अगले चरण और इसके विस्तार की शुरुआत करने जा रहे हैं। इससे भविष्य में प्रदर्शकों के लिए उपलब्ध जगह लगभग दोगुनी हो जाएगी...।

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 45वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 से 27 नवंबर तक चलेगा। इस बार मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है। इसमें देश-विदेश के 3500 से अधिक प्रदर्शक अपने उत्पादों, सेवाओं और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। इस समारोह में पद्मश्री से सम्मानित गुरु माधवी मुद्गल और उनका समूह ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया। आईटीपीओ ने बताया कि आईआईटीएफ 2026 का आयोजन 'विकास और विरासत' विषय के तहत किया जा रहा है। 14 से 18 नवंबर तक के दिन व्यापारिक आगंतुकों और कारोबार से कारोबार (बी2बी) संपर्क कार्यक्रमों के लिए होंगे। वहीं, 19 से 27 नवंबर तक व्यापार मेला आम लोगों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रुचि रखने वाले आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। मेले के आयोजक भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन ने कहा कि इस बार आम लोगों के लिए सामान्य दिनों (19 से 27 नवंबर) में वयस्कों का टिकट 80 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये कर दिया गया है। वरिष्ठ नागरिकों और पांच साल तक के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इसमें चीन, ईरान, तुर्किये और बांग्लादेश समेत 11 देशों के 3,500 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। इनमें थाइलैंड, ईरान, घाना, नेपाल, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये, चीन, श्रीलंका और बांग्लादेश के प्रदर्शक भी शामिल होंगे। इससे अंतरराष्ट्रीय कारोबारी संपर्क और व्यापार संबंधों के अवसर मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि इस साल 45वें आईआईटीएफ-2026 में बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश भागीदार राज्य हैं, जबकि असम, दिल्ली, झारखंड और पश्चिम बंगाल को 'फोकस स्टेट' बनाया गया है।

एमसीडी ने शिक्षण संस्थानों के आसपास चलाया विशेष सफाई अभियान, विद्यार्थियों एवं सामुदायिक संगठनों ने लिया भाग

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार



नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शुक्रवार को दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में कॉलेज के विद्यार्थियों, सामुदायिक संगठनों एवं स्थानीय हितधारकों ने जनभागीदारी की भावना के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता बनाए रखने में जनसहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ शहर में धूल प्रदूषण को कम करने के प्रयासों को और मजबूत करना है।

इस अभियान के अंतर्गत पश्चिमी क्षेत्र में जनकपुरी, शिवाजी एन्क्लेव और शक्ति नगर में विशेष गहन सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी प्रकार पूर्वी क्षेत्र द्वारा कड़कड़डूमा, मधुबन एन्क्लेव, प्रीत विहार और आनंद विहार में भी गहन सफाई अभियान आयोजित किए गए तथा सार्वजनिक स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई। एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि के तहत केशवपुरम क्षेत्र के वार्ड संख्या 66, वजीरपुर में आर्यभट्ट फ्लाईओवर से सत्यवती कॉलेज रेड लाइट तक गहन सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में 12 सफाई कर्मचारियों के साथ कॉलेज के विद्यार्थियों एवं निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अभियान के दौरान क्षेत्र से लगभग दो रिक्शा कचरा एवं धूल एकत्रित की गई।

इन विशेष अभियानों के माध्यम से एमसीडी सड़कों, सार्वजनिक स्थलों तथा शैक्षणिक संस्थानों के आसपास जमा धूल, कचरे एवं अन्य अपशिष्ट को हटाने पर विशेष ध्यान दे रही है। निगम विद्यार्थियों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) एवं सामुदायिक संगठनों को भी स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा दिल्ली को स्वच्छ बनाने में सहयोगी बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। एमसीडी के अनुसार दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के गहन सफाई अभियान निरंतर जारी रहेंगे, जिनमें धूल प्रदूषण को कम करने तथा शहर के समग्र पर्यावरण को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

दिल्ली में अवैध कॉस्मेटिक इकाइयों पर छापा, बड़ी मात्रा में स्टॉक एवं मशीन जब्त

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे



नई दिल्ली। दिल्ली में नकली और अवैध कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण के खिलाफ दिल्ली सरकार ने बड़ी कार्रवाई की। औषधि नियंत्रण विभाग की दो टीमों ने बाहरी दिल्ली के पूठ खुर्द इलाके में बिना लाइसेंस संचालित दो कॉस्मेटिक निर्माण इकाइयों पर छापेमारी की। इस दौरान बड़ी मात्रा में कॉस्मेटिक उत्पादों का स्टॉक, मशीनरी, कच्चा माल और पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में दोनों परिसरों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान सामने आया कि यहां बिना वैध निर्माण लाइसेंस के स्किनकेयर और पर्सनल केयर से जुड़े कॉस्मेटिक उत्पादों का निर्माण और पैकेजिंग की जा रही थी। यह गतिविधि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और कॉस्मेटिक्स नियम, 2020 का उल्लंघन है। औषधि निरीक्षकों ने छापेमारी के दौरान उत्पादों के कानूनी सैंपल एकत्र किए, जिन्हें जांच और विश्लेषण के लिए सुरक्षित किया गया है। इसके अलावा तैयार उत्पादों के स्टॉक के साथ मशीनरी, उपकरण, कच्चा माल, अर्धनिर्मित उत्पाद और पैकेजिंग सामग्री भी नियमानुसार जब्त की गई। कार्रवाई पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार जन-स्वास्थ्य और उपभोक्ताओं की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी। बिना वैध लाइसेंस के कॉस्मेटिक उत्पादों का निर्माण करना कानून का गंभीर उल्लंघन है। ऐसी अनधिकृत गतिविधियां उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अवैध कॉस्मेटिक निर्माण और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि औषधि नियंत्रण विभाग को प्रवर्तन कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राजधानी के नागरिकों को असुरक्षित और अनधिकृत उत्पादों से बचाया जा सके। विभाग के अनुसार छापेमारी में एकत्र किए गए कानूनी सैंपल जांच के लिए दिल्ली के सरकारी विश्लेषक के पास भेजे जा रहे हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और संबंधित लोगों के खिलाफ लागू कानूनी प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महापौर ने रोहिणी में फिक्स्ड कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शुक्रवार को रोहिणी क्षेत्र के वार्ड-51 में फिक्स्ड कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (एफसीटीएस) का उद्घाटन किया। इस सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र में कचरे के व्यवस्थित संग्रहण, संपीड़न एवं परिवहन की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा कचरा प्रबंधन कार्य अधिक सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

फिक्स्ड कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन के माध्यम से क्षेत्र से एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से संपीड़न और स्थानांतरण किया जाएगा। इससे कचरे के परिवहन की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित होगी तथा आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। यह पहल क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम राजधानी की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और कचरा प्रबंधन की आधारभूत सुविधाओं को आधुनिक एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। निगम का उद्देश्य दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ शहर बनाना है। महापौर ने स्थानीय नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए प्रत्येक सोमवार को स्थानीय निवासी सामूहिक रूप से अपने आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाएं।

महापौर प्रवेश वाही ने वासुदेव घाट का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शुक्रवार को सिटी एसपी जोन स्थित वासुदेव घाट का निरीक्षण कर आगामी छठ पर्व के मद्देनजर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने घाट पर छठ पूजा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विभिन्न छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएंगी। घाट पर व्यवस्थाओं को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से महापौर ने संबंधित एसडीएम से भी बातचीत की तथा श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त टेंट लगाने और घाट परिसर में आवश्यक सुविधाओं को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं



को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा छठ घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा मच्छरों की रोकथाम के लिए नियमित रूप से दवाइयों का छिड़काव कराया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाए और पर्व से पूर्व सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा इस वर्ष छठ पर्व के आयोजन के लिए दिल्लीभर में लगभग 1,400 घाटों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर कृत्रिम घाटों का भी निर्माण कराया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु अपने नजदीकी स्थानों पर ही श्रद्धा एवं आस्था के साथ छठ महापर्व मना सकें। महापौर ने कहा कि छठ पर्व दिल्ली की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें तथा प्राप्त सुझावों और आवश्यकताओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद राजपाल राणा, पार्षद सुमन गुप्ता सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वायु सेना अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी लेने का निर्देश



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को विंग कमांडर मनोरथ सिंह सभरवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से जरूरी मंजूरी लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने संबंधित डीसीपी को मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी। सभरवाल को भारतीय वायु सेना की संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ साझा करने के आरोप में 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक 12 जनवरी से 1 अप्रैल के बीच वह एक 'हनीट्रैप' के जरिए पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में था। सभरवाल पर आरोप है कि उसने लेह में लड़ाकू विमानों की तैनाती, सूरतगढ़ की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सैन्य अभ्यास और एक गोपनीय ड्रोन यूनिट से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा की। पुलिस का यह भी आरोप है कि एजेंट के कहने पर उसने अपने पांच अधीनस्थ अधिकारियों के मोबाइल फोन में मैलवेयर या स्पाइवेयर इंस्टॉल कर दिया था, जिससे संवेदनशील डेटा और आधिकारिक बातचीत के लीक होने का खतरा पैदा हो गया। चार्जशीट के मुताबिक सभरवाल ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ऑपरेटिव से 'न्यूड तस्वीर' मिलने के बाद 'सीक्रेट वॉर प्लान' का एक पन्ना अपलोड किया और यह भी कहा कि हर न्यूड तस्वीर के बदले वह वॉर प्लान का एक नया पन्ना देगा। चार्जशीट में सभरवाल और संदिग्ध ऑपरेटिव के बीच हुई बातचीत का पूरा विवरण दिया गया है। चार्जशीट में कहा गया है कि व्हाट्स ऐप पीएमपी डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि अधिकारी और संदिग्ध पाकिस्तानी ऑपरेटिव के बीच कुल 3,008 टेक्स्ट मैसेज, 65 तस्वीरें, 65 रिएक्शन, 42 वॉयस कॉल, 4 वीडियो कॉल और 6 यूआरएल का आदान-प्रदान हुआ।

एमसीडी पूर्वी जोन के उपायुक्त ने गीता कॉलोनी छठ घाट पर सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे



नई दिल्ली। आगामी छठ पूजा के दौरान दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पूर्वी जोन के उपायुक्त अजरूद्दीन जहीरूद्दीन काजी ने शुक्रवार को गीता कॉलोनी स्थित छठ घाट का निरीक्षण कर वहां की सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मलबा हटाने के कार्य की समीक्षा करते हुए इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। घाट परिसर में धूल की स्थिति को देखते हुए उपायुक्त ने 15 नवम्बर की सुबह पानी का छिड़काव कराने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं धूलमुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाट पर पूजा सामग्री एवं सामान्य कचरे के लिए अलग-अलग संग्रहण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए 40 से 45 सफाई कर्मचारियों को दो से तीन शिफ्टों में तैनात किया जाए। उपायुक्त ने घाट के समीप द्वितीयक कचरा संग्रहण केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित करने तथा पूरे घाट परिसर में स्वच्छता, कचरा पृथक्करण एवं उचित निस्तारण से संबंधित जागरूकता बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त, कंसेशनायर की आईईसी टीम को नुक्कड़ नाटक एवं अन्य जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को कहा गया।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ पूजा से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं तथा आयोजन के दौरान घाट पर सफाई एवं स्वच्छता की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। निगम ने नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से भी घाट की स्वच्छता बनाए रखने तथा पूजा सामग्री एवं अन्य कचरे को निर्धारित स्थानों पर ही डालने की अपील की।

करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में तीन दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा विधायक करनैल सिंह के खिलाफ पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई 3 दिसंबर को करने का आदेश दिया है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने 3 दिसंबर को शिकायतकर्ता की ओर से साक्ष्य पेश करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान करनैल सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट को बताया गया कि सेशंस कोर्ट से फाइल वापस मजिस्ट्रेट कोर्ट पहुंच गयी है। उसके बाद कोर्ट ने सुनवाई टालने का आदेश दिया। बता दें कि एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने करनैल सिंह को 6 जून 2026 को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया था। इसी आदेश को करनैल सिंह ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। सेशंस कोर्ट ने 29 अक्टूबर को करनैल सिंह की याचिका खारिज कर दिया था। बता दें कि 29 मई 2026 को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की बीजेपी विधायक करनैल सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लिया था। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने करनैल सिंह को 6 जून 2026 को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष सत्येंद्र जैन ने याचिका दायर कर कहा है कि करनैल सिंह ने 19 जनवरी 2025 को एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उनके खिलाफ अपमानजनक बयान दिया। करनैल सिंह 2025 के विधानसभा चुनाव में शकूरबस्ती विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार थे। सत्येंद्र जैन की याचिका में कहा गया है कि अपने इंटरव्यू में करनैल सिंह ने कहा था कि ईडी ने जैन के आवास से 37 किलोग्राम सोना बरामद किया था। इंटरव्यू में करनैल सिंह ने कहा था कि सत्येंद्र जैन के नाम पर 1100 एकड़ जमीन है।

सोनिया विहार सड़क हादसे में मृतकों संख्या बढ़कर चार हुई



नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार में गुरुवार तड़के तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से हुए भीषण सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल छह महीने की गर्भवती महिला राखी (26) ने इलाज के दौरान शुक्रवार को दम तोड़ दिया। टक्कर के बाद महिला का गर्भपात हो गया था। इससे पहले हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी। इनमें सतबीर (32) और एक व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा गुरुवार को सोनिया विहार में पुश्ता नंबर-5 के पास हुआ था। एक तेज रफ्तार डंपर ने सवारियों से भरे ऑटो में टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ऑटो में पांच पुरुष, दो महिलाएं और छह महीने की एक बच्ची समेत कुल आठ लोग सवार थे। हादसे में घायल लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया गया था। बाद में कुछ घायलों को जीटीबी अस्पताल और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थानांतरित किया गया। राखी अपने पति राजा (32) के साथ सफर कर रही थी। सतबीर अपनी पत्नी मोनी (26) और छह महीने की बेटी कनिका के साथ ऑटो में थे। घायलों में रामेश्वर दयाल और एक अन्य व्यक्ति भी शामिल हैं। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना से संबंधित मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ स्थानीय लोगों से पूछताछ कर डंपर चालक की पहचान और हादसे की वजह पता लगाने में जुटी है। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को घटनास्थल का दौरा किया था। उल्लेखनीय है कि सोनिया विहार इलाके में गुरुवार तड़के एक तेज रफ्तार डंपर ट्रक और ऑटो-रिक्शा के बीच हुई भीषण टक्कर में एक नवजात बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल थे, जिसमें से आज एक महिला की मौत गई।

अंकुश नारंग बोले- सरकार की अपनी इमारत में ही बंद पड़ी है एंटी स्मॉग गन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और एंटी स्मॉग गन के बंद पड़े होने को लेकर दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार प्रदूषण से निपटने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार की अपनी इमारत में लगी एंटी स्मॉग गन तक काम नहीं कर रही है।

अंकुश नारंग शुक्रवार शाम दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सिविक सेंटर की 28वीं मंजिल पर पहुंचे वहां से स्मॉग की चादर में लिपटी दिल्ली का नजारा दिखाते हुए कहा कि सिविक सेंटर के ठीक सामने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन है और राजधानी के चारों तरफ प्रदूषण का घना असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की हवा बेहद जहरीली हो चुकी है और लोग सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अंकुश नारंग ने बताया कि गुरुवार शाम 5:41 बजे एमसीडी मुख्यालय पर 546 एक्यूआई दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार दिल्ली में जगह-जगह एंटी स्मॉग गन लगवाने और उनके बेहतर तरीके से काम करने का दावा करती है,



वहीं दूसरी तरफ सिविक सेंटर की 28वीं मंजिल पर लगी एंटी स्मॉग गन बंद पड़ी है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एंटी स्मॉग गन के उद्घाटन का दिखावा किया जाता है, लेकिन जब प्रदूषण से राहत देने की बात आती है तो मशीनें बंद मिलती हैं। सरकार दिल्ली की जनता को सिर्फ भ्रमित कर रही है।

राजधानी में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक होता जा रहा है, लेकिन सरकार इस गंभीर समस्या को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है। नारंग ने कहा कि आखिर दिल्ली की जनता को कब तक झूठे दावों के सहारे रखा जाएगा? सरकार को जवाब देना चाहिए कि जब उसकी अपनी इमारत में एंटी स्मॉग गन काम नहीं कर रही है तो पूरी दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के उसके दावों की क्या हकीकत है। उन्होंने मांग की कि बंद पड़ी सभी एंटी स्मॉग गनों को तत्काल चालू किया जाए और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि सरकार दिल्लीवासियों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही है। प्रदूषण के कारण लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन सरकार को जनता की सेहत और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है।

एक नजर

मारपीट करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम,एजेंसी। गाली-गलौज करने पर मारपीट करने के मामले में पुलिस चौकी अर्जुन नगर की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग की गई स्कूटी भी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुषार (उम्र-25 वर्ष), साहिल (उम्र-26 वर्ष) व लोकेश निवासी नई बस्ती गुरुग्राम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 12 नवंबर 2026 को एक व्यक्ति ने पुलिस चौकी अर्जुन नगर, गुरुग्राम में शिकायत के माध्यम से बताया कि 11 नवंबर 2026 को दोपहर करीब एक वह अपनी मोटरसाइकिल पर वाल्मीकि मंदिर नई बस्ती गुरुग्राम के पास खड़ा था। इसी दौरान तुषार उर्फ निखिल, साहिल तथा अन्य व्यक्ति वहां आए और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगे। जब उसने भागने की कोशिश की तो वह गिर गया। जिसके बाद उन व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद वे व्यक्ति उसको स्कूटी पर डालकर लेकर आए और उसके घर के बाहर फेंक दिया। पीड़ित की इस शिकायत पर थाना न्यू कॉलोनी गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। पुलिस चौकी अर्जुन नगर की टीम ने इस मामले में दो आरोपियों को शुक्रवार को नई बस्ती गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि शिकायतकर्ता आरोपियों के घर के पास गाली-गलौज कर रहा था। जब आरोपियों ने शिकायतकर्ता को जाने के लिए कहा तो वह नहीं गया। इसके बाद आरोपियों ने शिकायतकर्ता के साथ मारपीट की। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड से पता चला है कि उन पर लड़ाई-झगड़ा करने के दो-दो केस दर्ज हैं। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग की गई स्कूटी भी बरामद की गई है।

एचएसवीपी का जेई तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एवं एसीबी) ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) फरीदाबाद में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) सुरेंद्र कुमार को तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध एफआईआर थाना एसवी एवं एसीबी गुरुग्राम में दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता की फर्म को एचएसवीपी, फरीदाबाद द्वारा सेक्टर 76 और 78 में भूमिगत बिजली की केबल बिछाने का 10.50 करोड़ रुपये का टेंडर आवंटित किया गया था। इस कार्य के तहत 3.46 करोड़ रुपये की राशि जारी होने के बाद आरोपी जूनियर इंजीनियर सुरेंद्र कुमार ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से दो प्रतिशत कमीशन के रूप में सात लाख रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने इसकी शिकायत एसवी एवं एसीबी को दी। शिकायत के आधार पर एसवी एवं एसीबी, गुरुग्राम की टीम ने कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और आरोपी सुरेंद्र कुमार को शिकायतकर्ता से तीन लाख रुपये की रिश्वत की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को 13 नवंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। यह ट्रैप कार्रवाई इंस्पेक्टर जयपाल सिंह के नेतृत्व में की गई। इस दौरान राजपत्रित अधिकारी के रूप में ऋषभ, सहायक अभियंता (एईई), हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी), गुरुग्राम उपस्थित रहे।

सांड के हमले से जख्मी हुए बुजुर्ग की हुई मौत

फरीदाबाद। छह दिन पूर्व सांड द्वारा किए गए हमले में जख्मी बुजुर्ग की शुक्रवार उपचार के दौरान मौत हो गई। सांड ने बुजुर्ग पर हमला कर उसे अपने सींग से करीब सात फीट हवा में उछाल दिया था, जिससे वह सडक़ पर गिरकर जख्मी हो गया था और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा था। फरीदाबाद के डबुआ इलाके में चरण सिंह सात नवंबर की रात रोजाना की तरह गुरुद्वारे से घर लौट रहे थे। गली में सामने से आए आवारा सांड ने उन्हें सींगों पर उठाकर जमीन पर पटक दिया। इससे उनकी छाती में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन उन्हें सेक्टर-3 स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा। करीब पांच दिन तक उनका इलाज चला। शुक्रवार को चरण सिंह ने दम तोड़ दिया। पोते गुरप्रीत का आरोप है घर के आसपास बेसहारा पशु खुलेआम घूमते रहते हैं, मगर निगम इन्हें पकडऩे के लिए अभियान नहीं चलाता। आठ माह के दौरान आवरा पशुओं के हमले में पांच मौतें हुई है, जबकि दो जख्मी हो चुके है। इससे पूर्व 24 अप्रैल को फरीदाबाद के सेक्टर-15 ए में आवारा पशु ने एक महिला और उनकी दो बेटियों को पटककर घायल कर दिया। 11 अगस्त को एनआईटी- 3 में सडक़ पर बैठे पशु से स्कूटी टकराने पर आशु खत्री की मौत हो गई। 12 सितंबर को बीके चौक के पास गोवंश से बचने के प्रयास में स्कूटी सवार अभिषेक टैंकर की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी जान चली गई। 25 सितंबर को ऑटो तिलक नगर पुलिया के पास सांड की टक्कर से बाइक सवार सुनील कुमार पांडे की मौत हो गई। 19 अक्टूबर को कोराली-अटाली रोड पर सांड से बाइक टकराने के हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई और सात नवंबर को 70 वर्षीय चरण सिंह सांड के हमले का शिकार हुए।

उत्तर प्रदेश में वोटर लिस्ट से कटे 2.61 करोड़ मतदाताओं के नाम

गाजियाबाद,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 16.17 करोड़ होने का अनुमान है, जबकि मतदाता सूची में 13.56 करोड़ लोगों का नाम बतौर मतदाता दर्ज है। अभी 2.61 करोड़ पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से बाहर होने का अनुमान है, इन लोगों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक विशेष विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं की पहचान कर उनसे फार्म संख्या छह भरवाकर मतदाता सूची में दर्ज कराने का कार्य करेंगे।



यह बातें उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को गाजियाबाद में कलक्ट्रेट परिसर में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक के बाद कहीं। उन्होंने गाजियाबाद में अचानक समीक्षा बैठक करने की वजह के बारे में कहा कि एसआईआर के दौरान पूरे उत्तर प्रदेश में लगभग 18.70 प्रतिशत नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे, लेकिन गाजियाबाद में 29 प्रतिशत मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाया गया था। गाजियाबाद उन शीर्ष तीन जिलों में शामिल है, जहां पर सर्वाधिक नाम हटाए गए। एसआईआर से पहले उत्तर प्रदेश में 15.44 करोड़ से अधिक मतदाता थे, जो कि एसआईआर के पहले चरण के बाद जनवरी माह में घटकर 12.55 करोड़ रह गए। लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं के फार्म मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज कराने के लिए नहीं मिले थे, इस वजह से उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया। इनमें मृतक, शिफ्टेड, अनुपस्थित, डुप्लीकेट सहित अन्य मतदाता शामिल होने बताए गए। एसआईआर के दौरान 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग की गई और मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आधार कार्ड के अलावा भी एक दस्तावेज मांगा जा रहा था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब आधार कार्ड के माध्यम से पात्र व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के ड्राफ्ट का प्रकाशन 17 नवंबर को किया जाएगा, इसमें उत्तर प्रदेश में 18 साल से अधिक उम्र के व्यक्ति यह चेक कर सकेंगे कि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल है या नही है। यदि किसी का नाम मतदाता सूची में शामिल नही है तो वह अपना नाम बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूची में जुड़वा सकता है। मतदाता सूची के ड्राफ्ट का प्रकाशन होने के बाद 16 दिसंबर तक दावे व आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। दावों और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर तक कर लिया जाएगा, इसके बाद जनवरी माह में फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

मतदाता सूची से न छूटे एक भी पात्र नागरिकः सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। भाजपा हरियाणा के दिशा-निर्देशानुसार जिला कार्यालय गुरुकमल में शुक्रवार को जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछले माह के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहने और सूची से छूटे पात्र मतदाताओं की सहायता करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संकल्प लिया गया कि गुरुग्राम में कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रहे। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि स्ड्रक्र के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों की बूथवार गंभीरता से जांच की जाए। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम हट गया है, तो उससे संपर्क कर नियमानुसार आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने और सूची में नाम दोबारा जुड़वाने में सहयोग करें। गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, इसके लिए प्रयास करना और उसके मताधिकार की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि सूची से छूटे पात्र नागरिकों को नाम जुड़वाने में पूरा सहयोग मिले।

जिला प्रभारी संदीप जोशी ने कहा कि कार्यकर्ता इस अभियान को हर बूथ तक ले जाएं, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ ने बताया कि बैठक में जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, जिला मीडिया सह प्रभारी कृतिक जैन सहित सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मोर्चों, विभागों व प्रकोष्ठों के संयोजक और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई करें अधिकारी : आयुष सिन्हा



फरीदाबाद। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए उपायुक्त आयुष सिन्हा ने शुक्रवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी, प्रवर्तन कार्रवाई और विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपायुक्त ने पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरे लगाने, ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन स्थापित करने तथा 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहनों के चालान करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले पुराने वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने नगर निगम, एफएमडीए, एचएसवीपी, पीडब्ल्यूडी और अन्य एजेंसियों को सडक़ों की नियमित सफाई, रोड स्वीपिंग, पानी का छिडक़ाव तथा गड्ढों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण स्थलों पर ग्रीन नेट और कवरिंग लगाने, निर्माण एवं तोडफ़ोड़ के मलबे का उचित निस्तारण करने तथा अवैध डंपिंग पर रोक लगाने को कहा। उपायुक्त ने प्रमुख ट्रैफिक जाम वाले स्थानों पर संयुक्त निरीक्षण कर स्थायी समाधान तलाशने और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं और नियमित रूप से कार्रवाई की रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपें। बैठक में नगर निगम, परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एफएमडीए, एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी और पीडब्ल्यूडी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति भवन के सुरक्षा गार्ड पर हमले के दो आरोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

बागपत। राष्ट्रपति भवन में तैनात सुरक्षा गार्ड सौरभ कुमार पर उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के रमाला थाना क्षेत्र स्थित गांव गोपालपुर खड़ाना में दीपावली की रात जानलेवा हमला हुआ। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दोनों वांछित आरोपित धीरज और मोनू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित धीरज के पैर में गोली लगी है। घायल दोनों आरोपितों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस अधीक्षक पूर्णेंदु सिंह ने शुक्रवार को बताया कि दीपावली की रात गांव गोपालपुर खड़ाना में पड़ोसियों के बीच विवाद के बाद गोलीबारी हुई थी। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात सौरभ कुमार को गोली लग गई थी। वहीं, विनीत के सिर पर डंडा मारकर उसे घायल कर दिया था। मामले में रमाला थाना पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रमाला पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। दोनों अपराधियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। बीतीरात पुलिस को सूचना मिली कि



दोनों आरोपित गांव के एक गन्ने के खेत में छिपे हुए हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने खेत की घेराबंदी कर दी। इस दौरान आरोपित धीरज ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें धीरज के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने मौके से ही उसे दबोच लिया। वहीं दूसरा आरोपित मोनू भी पकड़ा गया। घायल आरोपितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। एसपी पूर्णेंदु सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों आरोपित खतरे से बाहर हैं। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नूंह पुलिस ने चार साइबर ठग दबोचे

नूंह,एजेंसी। साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर थाना नूंह पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर फर्जी फेसबुक अकाउंट, फर्जी सिम और मोबाइल के जरिए लोगों के साथ साइबर ठगी करने के आरोप हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, फर्जी सिम और बैंक खातों से जुड़े संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए हैं। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी अलग-अलग तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस के अनुसार, पहले मामले में पिनगवां थाना क्षेत्र के बनारसी गांव निवासी 22 वर्षीय जाहिद को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह फेसबुक पर इस्लाम कुरैशी हकीम के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर खुद को सेना का जवान बताता था। इसके बाद लोगों को सस्ते दामों पर गाड़ी और अन्य सामान दिलाने का झांसा देकर ठगी करता था। आरोपी पर सेक्सटॉर्शन के जरिए लोगों को ब्लैकमेल करने का भी आरोप है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और फर्जी सिम बरामद की है। साइबर पोर्टल पर दर्ज शिकायत के आधार पर मामले में केस दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने 23,058 रुपये की ठगी करने की बात कबूल की है।



दूसरे मामले में साइबर थाना पुलिस ने तावडू सदर थाना क्षेत्र के छारोडा गांव निवासी साजिद पुत्र (27) साल और मोहम्मद तालीम उर्फ तालीब (30) साल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी लोगों को फर्जी सिम, इंटरनेट सिम और मोबाइल फोन बेचने के धंधे में संलिप्त थे। गुप्त सूचना के आधार पर साइबर क्राइम थाना की टीम ने पलवल टी-पॉइंट के पास घेराबंदी कर दोनों को काबू किया। तलाशी के दौरान उनके पास से तीन मोबाइल फोन और उनमें लगी फर्जी सिम बरामद हुई हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ साइबर थाना में मामला दर्ज किया है। वहीं, तीसरे मामले में फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव निवासी 24 वर्षीय ताज मोहम्मद उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी फर्जी मोबाइल और सिम का इस्तेमाल कर साइबर ठगी की रकम अपने बैंक खातों में मंगवाता था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन, दो बैंक खातों के बारकोड, चेकबुक की फोटो और कई लोगों के संदिग्ध लेन-देन से संबंधित स्क्रीनशॉट बरामद किए गए हैं। साइबर पोर्टल पर आरोपी के खिलाफ तीन शिकायतें दर्ज मिली हैं। पुलिस के मुताबिक, उसके दो बैंक खाते केनरा बैंक में हैं। आरोपी के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया गया है।

एचएसवीपी का जेई तीन लाख की रिश्वत सहित पकड़ा

फरीदाबाद। फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण का जूनियर इंजीनियर (जेई) 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया है। गुरुग्राम की एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोचा। टीम के मुताबिक, जेई ने साढ़े 10 करोड़ रुपए के टेंडर से जुड़े काम के बदले 7 लाख कमीशन मांगा था। ये 3 लाख रुपए पहली किस्त के तौर पर लिए जा रहे थे। मामला सेक्टर-76 और 78 में अंडरग्राउंड केबल बिछाने के टेंडर से जुड़ा है। शिकायतकर्ता की फर्म को इस काम के लिए 3.46 करोड़ रुपए जारी हो चुके थे। इसके बाद आरोपी ने 2 प्रतिशत कमीशन मांगा था। शिकायतकर्ता की फर्म को एचएसवीपी फरीदाबाद ने सेक्टर-76 और 78 में भूमिगत बिजली केबल बिछाने का 10.50 करोड़ रुपए का टेंडर दिया था। काम के लिए 3.46 करोड़ रुपए की राशि जारी हो चुकी थी। आरोप है कि इसके बाद जेई सुरेंद्र कुमार ने फर्म संचालक से 2 प्रतिशत कमीशन के तौर पर 7 लाख रुपए मांगे। जेई की ओर से रिश्वत मांगने की शिकायत मिलने पर एसवी एवं एसीबी गुरुग्राम की टीम ने ट्रैप का प्लान बनाई।

नूंह के जमालगढ़ में कांग्रेस ने उठाया वोट चोरी का मुद्दा, ग्रामीणों को मताधिकार के लिए किया जागरूक

नूंह। जिला कांग्रेस कमेटी नूंह की ओर से शुक्रवार को पुनहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव जमालगढ़ में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत शुक्रवार को चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीणों से गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर लोगों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने तथा मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ और विधायक राजबीर फरटिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक शहीदा खान ने की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनावों में वोट चोरी के जरिए सत्ता हासिल करने के आरोप लगाए। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहना जरूरी है। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं तथा वोट चोरी के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएंगे और लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान को केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रखें, बल्कि गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाकर आमजन को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लोगों की भागीदारी बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में पूर्व प्रत्याशी हाजी अख्तर हुसैन, इब्राहिम इंजीनियर, हाजी सुबराती खान, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मुबीन तेड, इरशाद चेयरमैन, एडवोकेट साहुन खान, ब्लॉक अध्यक्ष सैफुल्लाह खान, मुबारिक मलिक, जमशेद खान, रामकरण, शाकिर खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज में कक्षाएं शुरू, वक्फ बोर्ड प्रशासक ने छात्रों से की मुलाकात

नूंह। मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज, पल्ला में करीब 40 दिनों तक चले धरना प्रदर्शन के समाप्त होने के बाद शुक्रवार को हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक जाकिर हुसैन कॉलेज पहुंचे। यहां उन्होंने छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर अब तक हुई कार्रवाई और आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान छात्रों ने उनके सामने अपने सुझाव रखे, जिन पर प्रशासक ने सहमति जताते हुए उन्हें जल्द अमल में लाने का भरोसा दिया। मुलाकात के बाद छात्रों ने जाकिर हुसैन के समर्थन में 'जाकिर हुसैन जिंदाबाद' के जमकर नारे लगाए। कॉलेज के कांफ्रेंस रूम में काफी संख्या में मौजूद छात्रों से बातचीत करते हुए जाकिर हुसैन ने कहा कि छात्रों की सभी मांगें मान ली गई हैं। उनकी मांगों को पूरा करने की दिशा में काम किया जा रहा है। कुछ मांगों पर पहले से ही कार्य प्रगति पर है, जबकि शेष मांगों पर भी जल्द काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज का संचालन पहले भी हरियाणा वक्फ बोर्ड करता रहा है और आगे भी बोर्ड ही इसका संचालन करेगा। इस दौरान प्रशासक ने छात्रों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों से अपील की कि अब आंदोलन समाप्त हो चुका है, इसलिए सभी अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर लगाएं और बेहतर शैक्षणिक परिणाम हासिल करने के लिए मेहनत करें। छात्रों की ओर से अगुवाई कर रही छात्रा साजिदा ने सभी मांगों को स्वीकार करने पर जाकिर हुसैन का तहेदिल से आभार जताया। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में कदम उठाए गए हैं। मुलाकात के बाद छात्रों ने जाकिर हुसैन जिंदाबाद के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। छात्रों से मुलाकात से पहले जाकिर हुसैन ने कॉलेज परिसर में चल रहे सुधार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए।

रोडरेज विवाद में दो भाईयों को मारी गोली

फरीदाबाद। खेड़ी पुल थाना क्षेत्र की भारत कॉलोनी में रोडरेज को लेकर हुए विवाद में दो भाइयों पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ब्रेजा कार सवार युवक ने पहले गाली-गलौज की और फिर पिस्टल निकालकर तीन गोलियां चला दीं। इनमें से दो गोलियां प्रशांत (27) और प्रिंस (23) को लगी। प्रशांत की गर्दन के पास और प्रिंस की छाती के पास में गोली लगी है। दोनों को उपचार के लिए सेक्टर-21 ए स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद आरोपी जसवंत को राउंडअप कर लिया है।

भारत कॉलोनी निवासी पीयूष ने बताया कि 12 नवंबर की रात वह अपने भाई प्रिंस, प्रशांत और उसके साले के साथ कार में सवार होकर दिल्ली रेलवे स्टेशन जा रहे थे। उन्हें अपनी बुआ को लेने जाना था। घर से करीब 100 मीटर दूर सेंट्रल बैंक के पास कई गाडिय़ां खड़ी हुई थीं। इस वजह से रास्ता बंद था और उनकी कार को निकलने के लिए जगह नहीं मिल रही थी। पीयूष के मुताबिक, रास्ता नहीं मिलने पर उन्होंने वहां खड़ी एक ब्रेजा कार के चालक से साइड मांगी। आरोप है कि कार चालक ने रास्ता देने के बजाय अपनी गाड़ी उनके सामने लगा दी। इसके बाद वह



कार से नीचे उतरा और उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान उसने पिस्टल निकालकर उन पर तान दी। पीयूष ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान आरोपी ने पिस्टल से तीन गोलियां चलाईं। इनमें से दो गोलियां प्रशांत और प्रिंस को लग गईं। फायरिंग होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद दोनों घायलों को तुरंत सेक्टर-21ए स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खेड़ी पुल थाना प्रभारी राकेश ने बताया कि मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी जसवंत को राउंडअप कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। फायरिंग में इस्तेमाल हथियार और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

पुनः राजनीति का केंद्र बिंदु बनती अयोध्या

मृत्युंजय दीक्षित



उच्चतम न्यायलय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य-भव्य राम मंदिर का निर्माण हो चुका है।अयोध्या का दीपोत्सव गिनीज़ बुक में स्थान बना चुका है।अयोध्या विश्व के पर्यटन मानचित्र पर चमक रही है।अयोध्या की आर्थिकी में नए स्तर पर पहुँच चुकी है। चिर पुरातन अयोध्या पौराणिक मान्यताओं और आधुनिक विकास के समन्वय का प्रतीक बन गई है। इतने वर्षों में अयोध्या और अयोध्या से जुड़ा बहुत कुछ बदल गया है जो नहीं बदला है वो है अयोध्या को लेकर राजनीति का तापमान। वैसे तो राम मंदिर और अयोध्या को लेकर भाजपा तथा उसके विरोधी दलों में आरोप प्रत्यारोप हमेशा चलते रहते हैं किन्तु अब कारसेवकों पर गोलियां चलाने वाली सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन करने की बात कहकर अयोध्या के नाम पर सियासत को नया रंग देने का दांव चला है। अखिलेश लम्बे समय से फैजाबाद की लोकसभा सीट पर सपा की जीत को ट्रॉफी की तरह लेकर घूम रहे हैं। सपा मुखिया अयोध्या को लेकर ऐसे चुनावी वादे कर रहे हैं कि सुनकर किसी को भी हंसी आ जाए, वो अयोध्या को सनातन तीर्थाटन की वैश्विक राजधानी बनाने की बात कर रहे हैं, जो योगी जी पहले ही बना चुके हैं। सरकार बनने पर राम मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और कथित जमीन घोटाले की जांच कराने की घोषणा कर रहे हैं, जो पहले से ही चल रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपा मुखिया पर हमलावर होना स्वाभाविक ही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर ही सपा मुखिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि वह पहले पूर्व में किए गए पापों के लिए माफी मांगे और फिर अयोध्या आयें।

अयोध्या के संत समाज ने भी सपा मुखिया से माफी मांगने की अपील करते हुए कहा है कि माफी मांगे बिना अखिलेश को अयोध्या की पंचकोसी की शास्त्रीय सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। कारसेवकों के बलिदान की अनदेखी नहीं का जी सकती। संतों ने रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोली चलवाने और संतो पर लाठीचार्ज कराने की घटनाओं पर सपा नेतृत्व से जवाब मांगा है। संतों का कहना है कि उन्हें अखिलेश के अयोध्या आने, रामलला के दर्शन करने या सरयू में स्नान करने पर आपत्ति नहीं है लेकिन कारसेवकों के बलिदान को अनदेखी कर उनका स्वागत नहीं किया जा सकता। अयोध्या आने से पहले उन्हें कारसेवकों के परिजनों से माफी मांग कर प्रायश्चित करना चाहिए। संत समाज ने सपा मुखिया के प्रस्तावित दौरे को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताते हुए कहा कि वह पहले अपना पक्ष स्पष्ट करें। सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सपा मुखिया अयोध्या, मथुरा काशी तो गए लेकिन कभी प्रभु श्रीराम, काशी विश्वनाथ और श्रीकृष्ण के दर्शन तक नहीं किए। सपा मुखिया को छह दिसंबर को अयोध्या जाकर रामलला के सामने सिर झुकाकर माफी मांगनी चाहिए। सपा मुखिया पीडीए पर बहुत बल दे रहे हैं अत: उन्हें यह तथ्य भली भांति पता होना चाहिए कि पीडीए समाज ने राम मंदिर निर्माण के आंदोलन में अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाई थी। सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव ने जिन रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं उनमें अधिकांशत: पीडीए समाज के ही लोग थे। सपा के पार्टी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है जिसमें पीडीए को एक नया अर्थ देते हुए पी को पहले, डी को दर्शन और ए को आशीर्वाद बताते हुए पीडीए अर्थात आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी लिखा है। सपा मुखिया द्वारा पीडीए के पारपंरिक राजनीतिक समीकरण को आस्था और दर्शन के साथ जोड़ने की इस रणनीति को पीडीए समाज के बीच अपनी पकड़ को मजबूत करने की दृष्टि से देखा जा रहा है। भारी राजनीतिक दबाव पड़ने के बाद सपा मुखिया बयान दे रहे हैं कि 'भगवान सबके हैं' वह अयोध्या, मथुरा, काशी केदारेश्वर सभी जगह जाएंगे। राजनीतिक रूप से कहा जा सकता है कि सपा हिंदुत्व की लहर के कारण असहज है। एक ओर सपा मुखिया अयोध्या जाने का ऐलान करते हैं वहीं दूसरी ओर मुस्लिम वोट बैंक की नाराजगी के डर से जेल में आजम खान से मिलने जाते हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अयोध्या आने की बात कही वहीं उनकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने अंग्रेजी समाचार पत्र गार्जियन को दिए गए साक्षात्कार में कहा है कि जब छह दिसंबर1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद का विध्वंस हो रहा था तो उस दृश्य को टीवी पर देखकर वे खूब रो रही थीं, ऐसा जी जिक्र उन्होंने अपनी किताब में भी किया है। सपा मुखिया के क्या विचार हैं? छह दिसंबर 1992 की घटना के बाद जिस प्रकार से भयावह दंगे हुए और शहर - शहर कर्फ्यू लगा दिया गया क्या सपा मुखिया अपने पूर्वजों के उन कृत्यों के लिए माफी मांगेंगे?

सपा मुखिया 30 अक्टूबर तथा दो नवम्बर 1990 की घटनाओं पर स्वयं तो चुप हैं किंतु उनके सांसद उस वीभत्स कृत्य पर बयानबाजी कर रहे हैं। सपा सांसद एस.पी. सिंह पटेल ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुलायम सिंह यादव ने जो कदम उठाया था वह बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा कि जब कारसेवक जबरदस्ती कर रहे थे तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने गोली चलवाई। सपा सांसद सनातन पांडेय और सलेमपुर से सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी भी कारसेवकों के नरसंहार का समर्थन कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में यही माना जाएगा कि सपा मुखिया निहित राजनैतिक स्वार्थ के लिए अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं। सपा मुखिया को लग रहा है कि जनमानस पुरानी घटनाओं को भूल जाता है और मात्र अयोध्या जाकर उनको रिझाया जा सकता है।सपा के शासनकाल में रामभक्तों व सनातन हिंदू समाज पर वीभत्स अत्याचार हुए हैं। रामभक्तों पर गोली चलाने के बाद भी इनका दिल नहीं भरा था, रामायण व सुंदर कांड के पाठों का आयोजन भी अपराध हो गया था। वास्तव में सपा प्रदेश की राजनीति में अपने जातिगत विस्तार के लिए बैचेन है क्योंकि उसको भी लगता है केवल मुस्लिम तुष्टिकरण से सात पाना अब आसान नहीं रहा और इसीलिए, 'मैं भी सनातनी' का ढोंग करने पर मजबूर हैं। अयोध्या में दीपोत्सव का विरोध करती आ रही सपा के मुखिया का जब अयोध्या दर्शन की बात करें तो इसको निरा राजनीतिक स्वांग ही माना जाएगा।

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय 'वसुधैव क़ुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं। 11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था।

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर, भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है

प्रह्लाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रश्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अत: पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय 'वसुधैव क़ुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं। 11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि- 'मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था।' स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि 'साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता। स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है।

'अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥'

अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की अनुभूति



में था। स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि 'भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है। सौभाग्य से भारत में सनातन काल से चलती आई परम्परा, जो अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों की प्रत्यक्ष अनुभूतियों से निरंतर स्पष्ट व पुष्ट होती आयी है, वह हमें बताती है कि सृष्टि की विविधता जितनी स्वाभाविक परंतु परिवर्तनशील है उतनी ही सम्पूर्ण अस्तित्व की एकता शाश्वत, अटल व अचल सत्य है। मनुष्य विचारशील प्राणी होने के नाते उस एकता को स्वयं में तथा जगत में अनुभव कर सकता है। यह करने से ही शाश्वत व नित्य सुख के खोज की जीवमात्र की यात्रा सफल व पूर्ण होती है। सभी विविधताओं को सम्मान देते हुए एवं स्वीकार करते हुए उनको संरक्षण देने का भारत का स्वभाव तथा जो परिवर्तनीय एवं/अथवा कालविसंगत है उसे बदलते रहने का लचीलापन इसी सनातन दृष्टि का परिणाम है। जब जब भारत के जनों में यह भाव सर्वोच्च रहा तब तब भारत विश्व का सभी दृष्टि से आदर्श राष्ट्र रहा। जब आत्मविस्मृति, विघटन व परस्पर सम्पर्क टूटने के कारण हम बलहीन, संकुचित, अहंकारी अथवा भयग्रस्त हो गए, हमने इस आचरण को त्याग दिया, तब हमारी दुर्गति हुई।' डा भागवत जी आगे कहते हैं कि 'विश्व में भारत के प्रति एक कुतूहल जाग रहा है। जड़वाद, व्यक्तिवाद तथा संयम रहित उपभोग पर आधारित अधूरी दृष्टि के कारण भौतिक दृष्टि से सम्पन्न होते हुए भी वे देश चिंता में हैं।

विविधताओं को कैसे सम्भालना, विकास व पर्यावरण को कैसे साथ चलाना, जो अपने जैसे नहीं हैं उनसे अपनेपन से कैसे बरतना, कुटुंबजीवन के तथा नई पीढ़ियों में संस्कारों के क्षरण को कैसे रोकना आदि समस्याओं का उत्तर उनके पास नहीं है। इसीलिए विश्व आज भूराजनैतिक तनावों के, आर्थिक अनिश्चितता के, पर्यावरणीय संकट के और वर्चस्व की लड़ाई में विनाश को देख रहा है। भारत के पास इन सब समस्याओं के सारे उत्तर हैं, यह वे जानते हैं। अब यह कहा जा सकता है कि 'हिंदू भाव व हिंदू स्वभाव ही हमारी एकता का आधार है। कोई विशिष्ट पूजा पद्धति, कोई विशिष्ट खान पान, रहन सहन, कोई सामाजिक या राजनीतिक मतवाद किसी विशिष्ट जाति, भाषा, प्रांत इस की अनिवार्यता इसमें नहीं है। इन सब से ऊपर आध्यात्मिकता, मानवता तथा विश्वबंधुत्व ही इसके लक्षण हैं। भारतीयों में इस भाव के विद्यमान होने से ही 'भा' याने ज्ञान के प्रकाश में रत भारत यह भारतीयतता की एक परिभाषा बनी है। पूरे विश्व को जोड़ सकने वाले व जोड़ना चाहने वाले इस हिंदू भाव का स्मरण व पोषण भारत की प्रगति व एकता की अनिवार्य आवश्यकता है। भारत में इस भाव का रूप उत्कट भारत भक्ति, हम सभी भारतीयों में अपनी समान पूर्वज परम्परा का गौरव एवं आदर्श तथा भारत की सनातन संस्कृति के मूल्यबोध के अनुरूप स्वयं के जीवन को गढ़ते जाना है। प्राचीन काल से भारत भूमि पर निवास करने वाला जनसमूह इसी दृष्टि को लेकर एक समाज के नाते जीता आया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी हिंदू भाव को जगाकर सम्पूर्ण समाज को एक सुसंगठित व बलसम्पन्न समाज बनाने के लिए कार्य कर रहा है। व्यक्तिजीवन से विश्वजीवन तक की धारणा, प्रतिष्ठा तथा सुरक्षा भी बिना सामर्थ्य के सम्भव नहीं। अतएव संगठित व बलसंपन्न हिंदूसमाज की बात करना या उसके लिए कार्य करना सर्व पंथ समादर की भावना अथवा राष्ट्र की भावनिक एकात्मकता के विरुद्ध नहीं है; हिंदू समाज का विचार व स्वभाव समावेशक होने के नाते ऐसा कार्य हम सब की भावनिक एकात्मता, सद्भावना व सदाचार का पोशक ही होगा यह बात समझनी चाहिए। कुल मिलाकर, आज की वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत द्वारा विभिन्न देशों के बीच विश्व बंधुत्व के भाव को जगाकर, भविष्य में होने वाले तीसरे विश्व युद्ध को रोका जा सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इस दृष्टि से प्रयास करता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी द्वारा अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की यात्रा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। दक्षिणी अफ्रीका के कुछ विशिष्ट नागरिकों ने तो दक्षिणी अफ्रीका में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तर्ज पर संगठन स्थापित करने का आग्रह संघ से किया है।

विचार

बिरसा मुंडा- स्वधर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक

ज्ञानेंद्र त्रिपाठी

अंग्रेजों के दमनकारी शासन के खिलाफ आदिवासी आंदोलन के लोकनायक बिरसा मुंडा की 15 नवंबर 2026 को 151वीं जयंती है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को अंग्रेजी दासता से मुक्त होकर सम्मान से जीने के लिए प्रेरित किया। झारखंड के सिंहभूमि तथा रांची में रहने वाले मुंडा जनजाति के लोग बिरसा को आज भी भगवाने के रूप में पूजते हैं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में बिरसा मुंडा एक प्रमुख आदिवासी विद्रोह के नेता रहे हैं। बिरसा ने आदिवासियों को ब्रिटिश शासन और ज़मींदारी व्यवस्था के अत्याचारों के खिलाफ जागरूक किया। उन्होंने आदिवासी लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और सामुदायिक भूमि स्वामित्व से जुड़े अधिकारों से अवगत कराया। उन्होंने जनजातीय समाज को अपनी परंपराओं की ओर लौटने का संदेश देते हुए जनजातीय समाज में पुन: सांस्कृतिक चेतना का प्रवाह किया। उनका यह प्रयास जनजातीय समाज की राष्ट्रीय अस्मिता को सुरक्षित रखने में एक मील का पत्थर साबित हुआ. यह निडर, निर्भीक, ऊर्जावान नेतृत्व राजनीतिक और सांस्कृतिक आक्रमण के विरुद्ध खड़े होने की ऊर्जा का दीर्घकालीन प्रेरणास्रोत बना।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में आजादी और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के रांची जिले के इलिहतु गांव में हुआ था। उनके बचपन का नाम दाउद मुंडा था। बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में अपने हक और स्वयत्तता के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए । उनका आरम्भिक जीवन बेहद गरीबी में बीता। उनके पिता के नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हटू था। बिरसा के माता-पिता घुमंतू खेती के द्वारा अपना गुजर-बसर करते थे। बचपन में बिरसा भेड़ों को चराने जंगल जाया करते थे और वहां बांसुरी बजाते थे। बिरसा बहुत अच्छी बांसुरी बजाते थे। इसके साथ ही उन्होंने कद्दू से एक तार वाला वादक यंत्र तुइला का भी निर्माण किया था। गरीबी के चलते बिरसा के माता-पिता ने उन्हें उनके मामा के पास अयुबत्तु गांव स्कूली शिक्षा के लिए भेज दिया ,जहां बिरसा के शिक्षक ने उनकी पढाई में रूचि देख कर उन्हें क्रिश्चयन स्कूल में जाने जा सुझाव दिया। यह वह दौर था जब क्रिश्चियन स्कूल में केवल ईसाई बच्चे ही पढ़ते थे, जिसके चलते बिरसा ने ईसाई धर्म को स्वीकार कर लिया और अपना नाम बदलकर डेविड रख लिया। बिरसा ईसाई स्कूल को छोड़ने के बाद हिंदू धर्म के प्रभाव में आ गए, जिसके बाद वो ईसाई धर्म परिवर्तन का विरोध करने के साथ ही आदिवासियों में जागरूकता फैलाने लगे। दरअसल उसी समय इस इलाके में रेल लाइनें बिछाने का काम चल रहा था। अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों का शारीरिक और चारित्रिक शोषण किया जा रहा था। आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। बिरसा ने सरकार की इन नीतियों का जमकर विरोध किया। लोगों को अपने धर्म का ज्ञान दिया, गौ हत्या का विरोध किया। बिरसा ने लगान माफी को लेकर अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया। बिरसा ने आदिवासियों की एक सेना बनाकर अंग्रेजों के खिलाफ छापामार लड़ाई शुरू की। 1897 से 1900 के बीच मुंडा आदिवासियों ने बिरसा के नेतृत्व में छापामार लड़ाई से अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया। 1895 में बिरसा मुंडा को दंगा करने के आरोप में गिरफ्तार करके 2 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। जेल से रिहा होने के बाद भी बिरसा ने अपनी गतिविधियां जारी रखीं। वह गांव-गांव जाकर खुद के नेतृत्व में एक मुंडा राज्य की स्थापना करने के लिए समर्थन जुटाने लगे। अगस्त 1897 में बिरसा और उसके चार सौ सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूंटी थाने पर धावा बोला। 1898 में तांगा नदी के किनारे बिरसा ने अंग्रेजी सेना पर हमला किया और अंग्रेजों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। बाद में अतिरिक्त अंग्रेजी सेनाओं के आने के बाद आदिवासियों की पराजय हुई और कई आदिवासियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 3 फरवरी 1900 को अंग्रेजी सेना ने बिरसा को उसके समर्थकों के साथ चक्रधरपुर जंगल से गिरफ्तार कर लिया। कैद के दौरान बिरसा की जेल में संदेहास्पद अवस्था में 9 जून 1900 को मौत हो गई। अंग्रेजी सरकार ने बताया कि हैजा के चलते बिरसा की मौत हुई है। हालांकि आज तक यह स्पष्ट नहीं है कि बिरसा की मौत कैसे हुई। बिरसा ने मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित किया। मुंडा आदिवासी बिरसा को आज भी धरती बाबा के नाम से पूजते हैं।

एक नजर

छठ पर रेलवे की बड़ी सौगात, सीवान होकर गुजरेंगी दो स्पेशल ट्रेनें

सीवान। छठ महापर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दो और त्योहार विशेष ट्रेनों के परिचालन की घोषणा की है। पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पंजाब से बिहार के विभिन्न जिलों के लिए चलाई जा रही ये दोनों विशेष ट्रेनें सीवान होकर गुजरेंगी। इससे पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों को छठ के दौरान घर पहुंचने में सहूलियत मिलेगी। रेलवे की ओर से पहली ट्रेन 04672 छेहरटा-जयनगर त्योहार विशेष के रूप में 13 नवंबर को एकल यात्रा के लिए चलाई जा रही है। यह ट्रेन छेहरटा से रात 10:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 9:02 बजे सीवान पहुंचेगी। यहां से 10 मिनट बाद 9:12 बजे छपरा के लिए रवाना होगी। ट्रेन छपरा रात 10:20 बजे, हाजीपुर रात 11:55 बजे पहुंचेगी। इसके बाद तीसरे दिन मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी होते हुए सुबह 6 बजे जयनगर पहुंचेगी। इस ट्रेन में शयनयान श्रेणी के नौ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का एक, सामान्य द्वितीय श्रेणी के दो तथा अन्य दो कोच सहित कुल 14 कोच लगाए गए हैं। वहीं, दूसरी ट्रेन 04670 लुधियाना-कटिहार त्योहार विशेष का परिचालन 14 नवंबर को एकल यात्रा के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन लुधियाना से सुबह 6:30 बजे खुलेगी और अगले दिन रात 1 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वहां से देवरिया सदर और भटनी होते हुए सुबह 3:40 बजे सीवान पहुंचेगी। ट्रेन सीवान से 3:42 बजे छपरा के लिए रवाना होगी और सुबह 4:40 बजे छपरा पहुंचेगी। इसके बाद सोनपुर, हाजीपुर, बछवारा, बरौनी, खगड़िया और मानसी होते हुए दोपहर 2 बजे कटिहार पहुंचेगी। इस ट्रेन में शयनयान श्रेणी के आठ, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11 और एलएसएलआरडी के दो कोच सहित कुल 21 कोच लगाए जाएंगे। रेलवे की इन दोनों विशेष ट्रेनों के परिचालन से सीवान और आसपास के क्षेत्रों में आने वाले छठ व्रतियों एवं यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। खासकर पंजाब से लौटने वाले लोगों को त्योहार के दौरान यात्रा में राहत मिलने की उम्मीद है।

दुकान में छापेमारी, प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ दो गिरफ्तार



सुपौल। भपटियाही थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र की एक दुकान से अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 36 एमएल प्रतिबंधित नशीला इंजेक्शन बरामद किया। वहीं, मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान निर्मली थाना क्षेत्र के बेला सिंगार मोती, वार्ड संख्या-08 निवासी कौशल प्रसाद यादव के पुत्र ललन कुमार (27) तथा भपटियाही थाना क्षेत्र के सिमराही वार्ड संख्या-03 निवासी राम कुमार मेहता के पुत्र प्रदीप कुमार (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। फिलहाल दोनों के विरुद्ध अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

सदर थाना क्षेत्र में घर से 43.575 लीटर विदेशी शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार



सुपौल। जिले में नशामुक्ति अभियान और अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में सदर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 43.575 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। वहीं, मौके से एक कथित शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सदर थाना क्षेत्र के नया नगर, वार्ड संख्या-13 निवासी रामजी प्रसाद सिंह के पुत्र संजय कुमार (40) के रूप में हुई है। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक शरथ आर एस के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस को संजय कुमार के घर में विदेशी शराब रखे जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने उसके घर पर छापेमारी की। इस दौरान 43.575 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई और संजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की विधिसम्मत कार्रवाई में जुटी है।

डुमरांव मेडिकल कॉलेज से 79.16 लाख की निर्माण सामग्री चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बक्सर। जिले के डुमरांव में निर्माणाधीन राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीएमपी गेट के समीप स्थित निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर से करीब 79 लाख 16 हजार रुपये मूल्य की निर्माण सामग्री चोरी होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चोर निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सैकड़ों एल्यूमिनियम एच-बीम समेत अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े निर्माण परिसर की सुरक्षा के लिए कई दर्जन गार्ड की तैनाती और 24 घंटे निगरानी किए जाने के दावे किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री चोरी हो जाना सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है। निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली एल्यूमिनियम बीम काफी महंगी होती हैं। ऐसे में इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री का गायब होना सामान्य चोरी की घटना नहीं मानी जा सकती। सवाल यह भी उठ रहा है कि भारी-भरकम निर्माण सामग्री को परिसर से बाहर ले जाने के दौरान सुरक्षा कर्मियों को इसकी भनक तक कैसे नहीं लगी?

बिहारवासियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना विभाग की प्रतिबद्धता : निशांत



पटना,एजेंसी। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने शुक्रवार को कहा कि राज्यवासियों को बाजार से स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना विभाग की प्रतिबद्धता है। इसे सुनिश्चित करने के लिए खाद्य संरक्षा विभाग की टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, नमूनों का संग्रह, खराब खाद्य सामग्री की जब्ती और उसे नष्ट करने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि नवंबर माह में अब तक राज्यभर में सैकड़ों खाद्य प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान पटना सिटी में करीब 18 लाख रुपये मूल्य का घी जब्त किया गया। पटना के ही एक अन्य प्रतिष्ठान से पांच लाख रुपये का घी और 1.74 लाख रुपये मूल्य का आटा जब्त किया गया। इसके अलावा, पटना के एक कोल्ड स्टोरेज से 6.35 लाख रुपये मूल्य के खजूर तथा 13.29 लाख रुपये मूल्य की अन्य खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट की गई। निशांत ने कहा कि पटना में तीन प्रतिष्ठानों से हजारों बोतल पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर जब्त कर नष्ट किया गया है। इन प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। जहानाबाद में चार प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान 29 लाख रुपये से अधिक मूल्य के खाद्य पदार्थ नष्ट किए गए। वहां करीब 2.30 लाख रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई और जांच के लिए आठ नमूने भी लिए गए। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मोतिहारी के तीन प्रतिष्ठानों में जांच के दौरान करीब 27 क्विंटल मिल्क केक और डोडा मिठाई सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ जब्त कर नष्ट किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा को लेकर चलाया जा रहा अभियान केवल त्योहारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे नियमित रूप से जारी रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभाग में आवश्यक मानव संसाधन और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही राज्य में चार नए खाद्य जांच केंद्र स्थापित करने के प्रयास भी जारी हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की कि वे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता से किसी तरह का समझौता न करें। स्वस्थ बिहार ही विकसित बिहार की बुनियाद है। खाद्य पदार्थों में मिलावट या उनकी गुणवत्ता से खिलवाड़ करना न केवल गैरकानूनी, बल्कि अनैतिक और असामाजिक कृत्य भी है। उन्होंने कहा कि किसी के स्वास्थ्य को दांव पर लगाकर थोड़ा लाभ कमाने का प्रयास अमानवीय और अधार्मिक है। सभी खाद्य व्यवसायियों को ऐसे कृत्यों से बचना चाहिए और बिहार को स्वस्थ बनाने के अभियान में विभाग का सहयोग करना चाहिए।

छठ घाटों की व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे विधायक मंगल पांडेय, दर्जनों घाटों का किया निरीक्षण

सीवान। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर घाटों पर चल रही तैयारियों का जायजा लेने बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह सीवान सदर विधायक मंगल पांडेय शुक्रवार को शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने पुलवा घाट और शिवव्रत साह घाट सहित दर्जनों घाटों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक मंगल पांडेय ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस महापर्व में लाखों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी होती हैं। ऐसे में छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी श्रद्धालु को परेशानी नहीं हो, इसके लिए सरकार और जिला प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। विधायक ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जिले के 43 छठ घाटों की निगरानी और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। प्रमुख घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके लिए कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है, जहां से घाटों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा स्वास्थ्य शिविर, एंबुलेंस और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी, ताकि आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल मदद मिल सके। उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान दरौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने कहा कि छठ घाटों पर बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में स्वच्छता, सुरक्षा, रोशनी और आवागमन की बेहतर व्यवस्था जरूरी है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समन्वय से श्रद्धालुओं को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता भी प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सेवा एवं सहयोग के लिए तत्पर हैं। पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

आंगनबाड़ी केंद्रों के औचक निरीक्षण में बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत करने का निर्देश

सुपौल। जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था को बेहतर बनाने और सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र बच्चों एवं महिलाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस सुपौल ने किशनपुर बाल विकास परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 78 एवं 80 का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान केंद्र संख्या 78 पर 23 तथा केंद्र संख्या 80 पर 25 बच्चे उपस्थित पाए गए। दोनों केंद्रों पर सेविका एवं सहायिका भी मौजूद थीं। निरीक्षण में केंद्र संख्या 80 पर रंग-रोगन का कार्य पूरा पाया गया, जबकि केंद्र संख्या 78 में यह कार्य प्रगति पर था। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने सेविका एवं सहायिका को सभी नामांकित बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही निर्धारित मेनू के अनुसार पोषाहार वितरण, गुणवत्तापूर्ण पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तथा केंद्रों में साफ-सफाई बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने टीएचआर (टेक होम राशन) का वितरण एफआरएस प्रणाली के माध्यम से पात्र लाभुकों के बीच शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए बच्चों को लेकर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, किशनपुर को संबंधित सेविका, सहायिका एवं महिला पर्यवेक्षिका से कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अनुपस्थित बच्चों के पोषाहार मद की राशि में नियमानुसार कटौती कर इसकी सूचना जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा गया।

वहीं, महिला पर्यवेक्षिकाओं को प्रत्येक केंद्र से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए आठ तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के लिए तीन पात्र लाभार्थियों का आवेदन पंजीकरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने महिला पर्यवेक्षिका एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को संबंधित केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने को कहा। निरीक्षण के बाद सेविका एवं सहायिका द्वारा प्रस्तुत प्रगति प्रतिवेदन जिला प्रोग्राम कार्यालय, आईसीडीएस सुपौल को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

छठ घाटों का थानाध्यक्ष व नगर प्रशासन ने किया निरीक्षण, पर्व से पहले तैयारियां पूरी करने का निर्देश

सुपौल,एजेंसी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पिपरा नगर पंचायत क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाटों का थानाध्यक्ष किशोर कुमार, नगर पंचायत चेयरमैन मनोज कुमार सिंह और कार्यपालक पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों पर चल रहे कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मियों को पर्व से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूरी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने घाटों पर साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। नदी एवं तालाब के किनारे बने घाटों, पहुंच पथ, सीढ़ियों और आसपास के क्षेत्रों में गंदगी देखकर संबंधित कर्मियों को तत्काल सफाई कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को घाटों पर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ नियमित निगरानी भी जरूरी है। थानाध्यक्ष किशोर कुमार ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों की तैनाती, पुलिस बल की उपलब्धता और भीड़ नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गहरे पानी वाले घाटों पर खतरे के निशान लगाने और ऐसे स्थानों पर पुलिस की विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना रोकने के लिए थाना स्तर से पूरी तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है।



उन्होंने लोगों से घाटों पर अनुशासन बनाए रखने, गहरे पानी में जाने से बचने और बच्चों पर विशेष ध्यान देने की अपील की। साथ ही असामाजिक तत्वों पर भी कड़ी नजर रखने की बात कही।

कार्यपालक पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने घाटों की मरम्मत, पहुंच पथ, पेयजल, शौचालय, चेंजिंग रूम और प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान कई घाटों पर टूटी सीढ़ियां और उबड़-खाबड़ रास्ते पाए गए। उन्होंने संबंधित कर्मियों को तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में सभी घाटों को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना आवश्यक है। घाटों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश और चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने स्थानीय लोगों और छठ पूजा समितियों के सदस्यों से भी बातचीत की। उन्होंने घाटों पर तैयारियों को लेकर उनकी समस्याएं सुनीं। स्थानीय लोगों ने अतिरिक्त लाइट, बेहतर साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था की मांग रखी। चेयरमैन ने संबंधित समस्याओं का जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि नगर पंचायत और थाना प्रशासन छठ महापर्व को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। पर्व से पहले सभी घाटों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ महापर्व मना सकें।

खाकी महाराज मंदिर के सातवें वार्षिक महोत्सव में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति गीतों से गूंज रहा छातापुर



सुपौल,एजेंसी। जिले के छातापुर मुख्यालय स्थित बस पड़ाव परिसर के श्री श्री 108 खाकी महाराज मंदिर में सातवें वार्षिक महोत्सव का आयोजन भव्य रूप से किया जा रहा है। चार दिवसीय इस महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को भी अष्टयाम, भगैत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा। बाबा खाकी महाराज की पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में भव्य पंडाल का निर्माण कराया गया है। आकर्षक रोशनी और सजावट से पूरा आयोजन स्थल जगमगा रहा है।

भक्ति गीतों, कीर्तन और सुमधुर संगीत से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। दूर-दराज से पहुंचीं विभिन्न कीर्तन मंडलियों की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में इलाके की प्रसिद्ध नर्तकी मंडली ने 'हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे' महामंत्र की धुन पर मनमोहक प्रस्तुति दी। इस दौरान मौजूद श्रद्धालु भक्ति और संगीत के रंग में सराबोर नजर आए। आयोजन समिति के सदस्य सुमन कुमार ने बताया कि बाबा खाकी महाराज की स्थापना के समय से ही इस महोत्सव को वार्षिक उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। सातवें वार्षिक महोत्सव का आयोजन भी इस वर्ष उमंग और उत्साह के साथ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की रात 48 घंटे के अष्टयाम एवं अखंड जाप का समापन होगा। महोत्सव के चौथे और अंतिम दिन शनिवार को भगैत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें सुपौल के प्रसिद्ध कलाकार श्याम पंजियार एवं उनकी टीम द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद आरती और महाप्रसाद वितरण के साथ चार दिवसीय महोत्सव का विधिवत समापन होगा। महोत्सव को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्य बबलू चौधरी, पप्पू यादव, मो. सजीर, बलराम सिंह, सरोज यादव, पवन भगत, जयकृष्ण यादव, कुंदन पासवान, लखन शर्मा सहित बस पड़ाव के कर्मी, व्यवसायी और युवा पूरी तन्मयता से जुटे हुए हैं।

प्रियंका सिंह का छठ गीत 'गोदिया में देइ द ललनवा ए छठी मइया' रिलीज

पटना,एजेंसी। चार दिवसीय छठ महापर्व के अवसर पर सुप्रसिद्ध लोक एवं पार्श्व गायिका प्रियंका सिंह की आवाज में भोजपुरी का भावपूर्ण छठ गीत 'गोदिया में देइ द ललनवा ए छठी मइया' रिलीज हुआ है। गीतकार मनोज भावुक की लेखनी से सजे इस गीत में एक स्त्री की अधूरी अभिलाषा, मातृत्व की लालसा और छठी मइया के प्रति अटूट आस्था को बेहद संवेदनशील अंदाज में अभिव्यक्त किया गया है। गीत में एक ऐसी मां की अरदास को स्वर दिया गया है, जो अपने आंगन में बच्चे की किलकारी सुनने और अपनी गोद में ललना खिलाने का सपना देख रही है। इस गीत की खासियत यह भी है कि प्रियंका सिंह इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में आयोजित छठ महोत्सव में शामिल होकर प्रवासी बिहारियों के बीच अपनी गायिकी के माध्यम से बिहार की लोकसंस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

एक ओर ऑस्ट्रेलिया के छठ घाटों पर उनकी आवाज छठी मइया की आराधना में गूंज रही है, तो दूसरी ओर उनका नया गीत दुनियाभर के भोजपुरी संगीत प्रेमियों तक पहुंच रहा है। यह भोजपुरी लोकसंगीत की बढ़ती वैश्विक पहचान का भी सुंदर उदाहरण है। मनोज भावुक और प्रियंका सिंह की जोड़ी भोजपुरी संगीत जगत को कई यादगार गीत दे चुकी है। मनोज भावुक की संवेदनशील लेखनी और प्रियंका सिंह की सुरीली एवं भावप्रधान गायिकी का अनूठा तालमेल उनके गीतों को खास पहचान देता है। गजल, फिल्मी गीत और लोकभावना से



जुड़े गीतों में प्रियंका ने मनोज भावुक के शब्दों की संवेदना को अपनी आवाज में खूबसूरती से उतारा है। 'गोदिया में देइ द ललनवा ए छठी मइया' इसी रचनात्मक साझेदारी की एक और भावपूर्ण प्रस्तुति है। गीत का मुखड़ा- 'गोदिया में देइ द ललनवा कि चहके अंगनवा नू हो, ए छठी मइया, गूंजे किलकरिया भवनवा कि फुदके होरिलवा नू हो'- श्रोताओं को सीधे भावनाओं की दुनिया में ले जाता है। गीत के अंतरों में ननिहाल और ससुराल के रिश्तों के माध्यम से संतान की प्रतीक्षा को खूबसूरती से उकेरा गया है। मामा, मौसी, नानी, नाना, चाचा, बुआ, दादी और दादा के पुकारने की कल्पना गीत को पारिवारिक और सामाजिक विस्तार देती है। गीत का निर्माण रत्नाकर कुमार ने किया है, जबकि संगीतकार एवं निर्देशक विनीत शाह हैं। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले रिलीज यह गीत पारंपरिक छठ लोकभावना को संगीत के सुंदर संयोजन के साथ प्रस्तुत करता है।

एक नजर

पारुल सैनी का सपना हुआ साकार, चंडीगढ़ अंडर-23 वूमेंस टीम में हुआ चयन



मुरादाबाद,एजेंसी। मुरादाबाद जिले की उभरती हुई युवा क्रिकेटर पारुल सैनी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और शानदार गेंदबाजी के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन चंडीगढ़ अंडर-23 वुमेंस टीम के लिए हुआ है। चंडीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा हाल ही में अंडर-23 वुमेंस टीम के चयन के लिए सिलेक्शन मैच और कैंप आयोजित किए गए थे। शानदार प्रदर्शन के आधार पर पारुल सैनी का चयन किया गया है। चयन के बाद पारुल सैनी ने कहा, कि यह मेरे जीवन का एक बहुत बड़ा अवसर है। मैं अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता फूल सिंह, माता कौशल्या सैनी व क्रिकेट कोच मिर्ज़ा दानिश आलम को देता हूं, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया। एमपीएस क्रिकेट अकादमी के संचालक वरिष्ठ क्रिकेटर दानिश मिर्जा आलम ने बताया कि पारुल सैनी कई वर्षों से एमपीएस क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास कर रही हैं। पारुल इससे पहले भी यूपी अंडर-19 वुमेंस क्रिकेट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्होंने अपने कठिन परिश्रम और अनुशासन से एक बार फिर अपनी जगह बनाई है। पारुल ने कहा उन्होंने यह सफलता वर्षों की कठिन मेहनत, लगातार अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण के दम पर हासिल की है। वह ऑफ ब्रेक गेंदबाजी करती हैं और अपनी शानदार गेंदबाजी से चयनकर्ताओं को प्रभावित करने में सफल रही हैं। इस उपलब्धि के पीछे उनके कोच मिर्ज़ा दानिश आलम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कोच मिर्ज़ा दानिश आलम ने शुरुआत से ही पारुल की तकनीक, फिटनेस और मानसिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया। उनकी कड़ी ट्रेनिंग और मार्गदर्शन ने पारुल को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

19 वीं सब-जूनियर नेशनल रोलबॉल चैंपियनशिप-2026 के लिए रोलबॉल खिलाड़ी अभिनंदन का चयन



मुरादाबाद। मुरादाबाद जनपद के होनहार रोलबॉल खिलाड़ी अभिनंदन का चयन 19 वीं सब-जूनियर नेशनल रोलबॉल चैंपियनशिप 2026 के लिए उत्तर प्रदेश की बालक टीम में हुआ है। इस उपलब्धि से मुरादाबाद के खेल जगत में खुशी की लहर है। रोलबॉल एसोसिएशन की जिला सचिव रिंपी सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा जारी चयन सूची में अभिनंदन को उत्तर प्रदेश की टीम में स्थान दिया गया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 30 दिसंबर 2026 तक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी-शिलांग रोड, री-भोई जिला, मेघालय में किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर 18 दिसंबर 2026 से गाजियाबाद में आयोजित होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश की टीम 24 दिसंबर को गुवाहाटी के लिए रवाना होगी। अभिनंदन के इस चयन पर मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट रोलबॉल एसोसिएशन ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि अभिनंदन राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर मुरादाबाद और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन की जिला सचिव रिंपी सिंह, अध्यक्ष डॉ. मनु मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परमेशरन, संयुक्त सचिव गौरव कुमार, कोषाध्यक्ष लियाकत अली तथा मनोज, तरुण, तुषार और गोविंद सहित एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने अभिनंदन को बधाई दी और उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना की।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मुकाबले दर्शकों के लिए होंगे नि :शुल्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल के सभी मुकाबलों में दर्शकों को नि:शुल्क प्रवेश मिलेगा। टूर्नामेंट का नौवां संस्करण 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान कुल 20 मुकाबले खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अनुसार दर्शक नि:शुल्क प्रवेश पास प्राप्त करने के लिए टिकटजिनी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके बाद मुकाबलों की सूची में से अपनी पसंद के मैच का चयन कर डिजिटल प्रवेश पास हासिल किया जा सकेगा। इस पास पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्टेडियम में प्रवेश के समय स्कैन कराना अनिवार्य होगा। टूर्नामेंट के लीग चरण के मुकाबले 19 से 25 नवंबर तक खेले जाएंगे। इसके बाद 27 नवंबर को सेमीफाइनल मुकाबले होंगे, जबकि 28 नवंबर को पदक के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य देश में हॉकी के माहौल को और मजबूत करना, उभरती प्रतिभाओं को अधिक अवसर देना और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं को आम दर्शकों तक पहुंचाना है।

चौथे वनडे में भारत की शर्मनाक हार, न्यूजीलैंड ने 244 रन से रौंदा



माउंट माउंगानुई,एजेंसी। न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे मुकाबले में शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम को 244 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में वापसी की। हालांकि इस शर्मनाक हार के बावजूद भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा। बे ओवल मैदान पर 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। विल यंग के शानदार शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 333 रन बनाए थे।

रनों के अंतर से यह वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले भारतीय टीम को 29 अक्टूबर 2000 को शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ 245 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में श्रीलंका ने सनथ जयसूर्या के 189 रन की बदौलत 299 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारतीय टीम 26.3 ओवर में महज 54 रन पर ढेर हो गई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रन की हार इस सूची में दूसरे स्थान पर आ गई है। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने पहली गेंद पर रोहित शर्मा को पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना आउट हो गए। इस तरह भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में बिना कोई रन बनाए तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों से भारतीय टीम उबर नहीं सकी। रुतुराज गायकवाड़ पांच रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 53 गेंदों पर 27 रन बनाकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। अक्षर पटेल और नमन धीर ने 21-21 रन बनाए। आकिब नबी ने पांच और गुरनूर बरार ने दो रन बनाए, जबकि कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। अर्शदीप सिंह खाता खोले बिना नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर छह विकेट हासिल किए। मैथ्यू फिशर ने तीन विकेट झटके। इस तरह भारतीय पारी 89 रन पर समाप्त हो गई और न्यूजीलैंड ने मुकाबला 244 रन से अपने नाम कर लिया। इससे पहले भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग और टिम सेफर्ट ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। सेफर्ट ने 48 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 58 रन बनाए। फिन एलन ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 30 गेंदों पर 41 रन बनाए। वहीं, दूसरे छोर पर विल यंग ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और शानदार शतक जड़ा। यंग ने 108 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और चार छक्के शामिल रहे।

सैंडपेपर विवाद पर कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को बताया बकवास, कहा-पूरी टीम को जानकारी होने का दावा गलत

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने शुक्रवार को 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर उस्मान ख्वाजा के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पूरी टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने का दावा '100 प्रतिशत गलत' है। उन्होंने ख्वाजा के आरोपों को 'पूरी तरह बकवास' करार दिया। क्रिकेट से संन्यास ले चुके ख्वाजा ने इस सप्ताह अपनी आत्मकथा जारी की है। इसमें 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद पर एक अध्याय भी शामिल है। इस विवाद ने विश्व क्रिकेट को हिलाकर रख दिया था। ख्वाजा ने अपनी किताब में आरोप लगाया है कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम, जिसमें कमिंस भी शामिल थे, को सैंडपेपर के जरिए गेंद की सतह खुरदरी करने की योजना की जानकारी थी, ताकि गेंद को स्विंग कराया जा सके।

यह विवाद केपटाउन में खेले गए तीसरे टेस्ट से जुड़ा था, लेकिन ख्वाजा ने दावा किया कि पोर्ट एलिजाबेथ में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी इस तरीके का इस्तेमाल किया गया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच में निष्कर्ष निकला था कि केवल डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट को इस योजना की जानकारी थी। तीनों को अपमानजनक परिस्थितियों में स्वदेश भेज दिया गया था और बाद में उन पर प्रतिबंध भी लगाया गया। स्मिथ को कप्तानी से हटा दिया गया था। इसके बाद टिम पेन ने कप्तानी संभाली और फिर कमिंस ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बने। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कमिंस ने कहा, 'जब वह कहते हैं कि हम सभी को इसकी जानकारी थी, अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि सैंडपेपर मैदान पर ले जाया जा रहा है, तो वह 100 प्रतिशत गलत हैं। मैं पिछले आठ वर्षों से लगातार यही कहता आ रहा हूं। मुझे इसकी जानकारी नहीं थी कि ऐसा हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि उस्मान वास्तव में इससे कहीं अधिक गंभीर बातें कहते हैं। वह कहते हैं कि मैं और कुछ अन्य लोग सैंडपेपर से गेंद के साथ छेड़छाड़ करने की योजना के सूत्रधार थे। यह पूरी तरह और बिल्कुल बकवास है। कमिंस और उनके साथी गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन ने 2021 में एक सार्वजनिक बयान जारी कर कहा था कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी। वॉर्नर ने इस सप्ताह अपने करीबी दोस्त ख्वाजा के नए दावों का जोरदार समर्थन किया है।

मेजर लीग सॉकर: लगातार तीसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने मेसी

न्यूयॉर्क। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी लगातार तीसरे वर्ष मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के प्रतिष्ठित लैंडन डोनोवन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने हैं। गुरुवार को लीग ने सत्र के समापन पर दिए जाने वाले आठ व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए फाइनलिस्ट की घोषणा की। एमवीपी पुरस्कार की दौड़ में मेसी के साथ 17 वर्षीय उभरते खिलाड़ी कैवन सुलिवन भी शामिल हैं।

इंटर मियामी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले मेसी ने पिछले लगातार दो सत्रों में यह पुरस्कार जीता था। इस बार भी वह इसके प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने नियमित सत्र में लीग के सर्वाधिक 26 गोल किए, जबकि उनके नाम 17 असिस्ट भी रहे, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमवीपी पुरस्कार के लिए मेसी और सुलिवन के अलावा एफसी सिनसिनाटी के इवांडर, ह्यूस्टन डायनमो के गिलहर्मे और नैशविले एससी के हानी मुख्तार फाइनलिस्ट हैं। सिगी श्मिड कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के बीजे कैलाघन, सेंट लुइस सिटी के योआन डामे और वैंकूवर व्हाइटकैप्स के जेस्पर सोरेनसन दावेदार हैं। कैलाघन के मार्गदर्शन में नैशविले ने 23 जीत, तीन हार और आठ ड्रॉ के साथ 77 अंक हासिल कर सपोर्टर्स शील्ड अपने नाम की। डिफेंडर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के तीन खिलाड़ी एंडी नाजार, जेइसन पलासियोस और मैक्सवेल वोल्डेजी फाइनलिस्ट हैं। वहीं, गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार की दौड़ में नैशविले के ब्रायन श्वाके, सेंट लुइस सिटी के रोमन बुर्की और न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के मैट टर्नर शामिल हैं। कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए वैंकूवर व्हाइटकैप्स के रयान गॉल्ड, सिनसिनाटी के निक हैगलंड और सैन जोस अर्थक्वेक्स के एडुआर्ड लोवेन फाइनलिस्ट हैं। न्यूकमर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए गिलहर्मे, ऑरलैंडो सिटी के एंटोनी ग्रीजमैन और स्पोर्टिंग कैनसस सिटी के आंद्रे लुइज के बीच मुकाबला होगा। यंग प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए भी कैवन सुलिवन फाइनलिस्ट हैं। फिलाडेल्फिया यूनियन की ओर से खेलते हुए उन्होंने 29 मैचों में नौ गोल और 14 असिस्ट किए।

बुडापेस्ट फास्ट क्लासिक में कारुआना और नीमन की लगातार दो जीत, असौबायेवा ने एरिगैसी को हराया



बुडापेस्ट,एजेंसी। अमेरिका के फैबियानो कारुआना और हंस मोके नीमन ने बुडापेस्ट में जारी टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के दूसरे दिन अपनी दोनों बाजियां जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, उज्बेकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा ने भारत के अर्जुन एरिगैसी को हराकर दिन का बड़ा उलटफेर किया। दूसरे दिन तीसरे और चौथे दौर में कुल 24 में से 13 बाजियों के निर्णायक परिणाम निकले। पहले दिन की तुलना में यह तीन अधिक था। प्रतियोगिता के इस प्रारूप में प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो बाजियां खेलनी होती हैं, जिनमें रंग बदल जाते हैं। जीत पर तीन अंक और ड्रॉ पर एक अंक दिए जाते हैं। दोनों बाजियां जीतने के कारण कारुआना और नीमन ने छह-छह अंक हासिल किए।

ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा आठ अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ग्रुप बी में कारुआना 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। ग्रुप सी में इयान नेपोमनियाची और हाइक मार्टिरोस्यान छह-छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ग्रुप डी में नीमन ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ आठ अंकों पर बराबरी कर ली है। ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा ने जॉर्डन वान फॉरेस्ट के खिलाफ सफेद मोहरों से लंबी बाजी जीत ली, जबकि दूसरी बाजी ड्रॉ रही। इस प्रदर्शन से फिरोजा को चार अंक मिले और वह कुल आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। जान-क्रिस्टोफ डूडा उनसे एक अंक पीछे हैं। डूडा और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच दोनों बाजियों में जीत का आदान-प्रदान हुआ। डूडा ने पहली बाजी जीती, जो दिन की सबसे लंबी बाजी रही। इसके बाद अब्दुसत्तोरोव ने दूसरी बाजी जीतकर हिसाब बराबर कर लिया। दोनों को तीन-तीन अंक मिले। डूडा के सात और अब्दुसत्तोरोव के चार अंक हैं। लेवोन एरोनियन और एंड्रयू होंग के बीच दोनों बाजियां ड्रॉ रहीं। एरोनियन के पांच और होंग के तीन अंक हो गए हैं। वान फॉरेस्ट के खाते में चार अंक हैं। ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने एक मोहरा बलिदान कर काले मोहरों से खेल रहे प्रतिद्वंद्वी की रक्षा को कमजोर किया और आसानी से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से भी दूसरी बाजी जीत ली। दोनों जीत से कारुआना के कुल 10 अंक हो गए हैं और उन्होंने दूसरे स्थान पर मौजूद लियेम ले पर दो अंकों की बढ़त बना ली है। लियेम ले ने विंसेंट कीमर के खिलाफ एक जीत और एक ड्रॉ के साथ चार अंक हासिल किए। उन्होंने सफेद मोहरों से कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। ले के आठ अंक हैं, जबकि कीमर तीन अंकों पर हैं। रिचर्ड रापोर्ट और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बीच दोनों बाजियां ड्रॉ रहीं। दोनों के तीन-तीन अंक हैं। प्रज्ञानानंद दो अंकों पर बने हुए हैं। ग्रुप सी में हाइक मार्टिरोस्यान ने अनिश गिरि के खिलाफ पहली बाजी गंवाने के बाद शानदार वापसी की। गिरि ने सफेद मोहरों से खेलते हुए महज 26 चालों में जीत हासिल की, लेकिन मार्टिरोस्यान ने वापसी की बाजी सफेद मोहरों से जीत ली। इस तरह मार्टिरोस्यान के छह अंक हो गए और वह इयान नेपोमनियाची के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए। गिरि के पांच अंक हैं।

मध्य प्रदेश: 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में हुए रोमांचक मुकाबले



नरसिंहपुर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में आयोजित 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता 2026-27 (19 वर्ष बालक) के अंतर्गत जिले के विभिन्न खेल मैदानों पर रोमांचक क्रिकेट मुकाबलों का सिलसिला जारी है। प्रतियोगिता में देशभर से आई टीमों के खिलाड़ी शानदार खेल कौशल, बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार को रूद्र मैदान, एनटीपीसी मैदान, काबरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल मैदान, आमगांव छोटा, बोहानी स्टेडियम, चीचली एवं कौड़िया मैदान पर खेले गए मुकाबलों में केरल, तमिलनाडु, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, बिहार, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, राजस्थान एवं नवोदय की टीमों ने जीत दर्ज की। रूद्र मैदान गाडरवारा में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में केरल ने उत्तर प्रदेश को 2 विकेट से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश की टीम 83 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में केरल ने 14.2 ओवर में 8 विकेट खोकर 84 रन बनाते हुए जीत हासिल की। केरल के अनद वत्स ने 3 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए तथा बल्लेबाजी में 13 गेंदों पर 20 रन बनाए। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के दौरान अतिथि सुरेन्द्र जी गुर्जर उपस्थित रहे। अंपायर प्रदीप पटेल एवं पुष्पराज सोलंकी, स्कोरर निशा मिश्रा एवं मयंक श्रीवास तथा कमेंटेटर बृजेश सोनी एवं राजेश त्रिपाठी रहे।

इसी मैदान पर खेले गए दूसरे मुकाबले में तमिलनाडु ने मध्यप्रदेश को 2 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्य प्रदेश ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 137 रन बनाए। जवाब में तमिलनाडु ने 19.2 ओवर में 8 विकेट खोकर 138 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल किया। तमिलनाडु के भरत ने 26 गेंदों में नाबाद 38 रन तथा अनद ने 13 गेंदों में 20 रन बनाए। भरत को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के शुभारंभ अवसर पर शिरोमणि चौधरी, कमल ठाकुर एवं अन्नपूर्णा क्लब के सदस्यों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रियांक जैन भी उपस्थित रहे। अंपायर स्वप्निल शर्मा एवं इलयाश खान, स्कोरर निशा मिश्रा एवं मयंक श्रीवास तथा कमेंटेटर बृजेश सोनी एवं राजेश त्रिपाठी रहे। एनटीपीसी मैदान पर खेले गए पहले मुकाबले में दिल्ली ने डीएनएचडीडी को 7 विकेट से पराजित किया। डीएनएचडीडी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 100 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 9.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 102 रन बनाते हुए आसान जीत दर्ज की। अभिषेक सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के दौरान एसडीएम प्रगति वर्मा, जी. अनुज जैन सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अंपायर शिव कुमार पटेल एवं मनोज शुक्ला, स्कोरर सौरव लहरिया एवं अंकिता मंडलोई तथा कमेंटेटर सुनील सोनी एवं बलराम सिंह प्रजापति रहे।

डेब्यू मैच में महली बियर्डमैन ने छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर दिलाई जीत

पर्थ,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर का यादगार आगाज करते हुए पदार्पण मैच में छह विकेट झटके। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में इंग्लैंड को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। पर्थ में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड की टीम 33.4 ओवर में महज 131 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 23.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 132 रन बनाते हुए 159 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।

21 वर्षीय बियर्डमैन ने 7.4 ओवर में 24 रन देकर छह विकेट हासिल किए। यह वनडे पदार्पण पर किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पाकिस्तान में बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंची इंग्लैंड की टीम को पर्थ की तेज और उछाल भरी पिच पर काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो जल्द ही सही साबित हुआ। स्पेंसर जॉनसन ने बेन डकेट को आउट कर इंग्लैंड को पहला झटका दिया। टॉम बैंटन ने पांच चौके लगाए, लेकिन वह भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। इंग्लैंड ने 38 रन तक दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद बियर्डमैन ने गेंदबाजी की कमान संभाली और इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। 10वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए बियर्डमैन ने हैरी ब्रूक को अपनी अंदर आती गेंद पर चकमा दिया। गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के पास चली गई। इसके बाद उन्होंने अपना 200वां वनडे खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को भी पवेलियन भेज दिया। बियर्डमैन का कहर यहीं नहीं थमा। उन्होंने जॉर्डन कॉक्स को विकेट के पीछे कैच कराया, जबकि सैम करन को शॉर्ट गेंद पर आउट किया। लियाम डॉसन का विकेट लेकर उन्होंने इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी। महज 28 गेंदों के भीतर पांच विकेट झटकने वाले बियर्डमैन की रफ्तार, उछाल और गेंद की दिशा में बदलाव का इंग्लैंड के मध्यक्रम के पास कोई जवाब नहीं था। एक समय इंग्लैंड का स्कोर सात विकेट पर 60 रन हो गया था। स्पेंसर जॉनसन ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 42 रन देकर तीन विकेट लिए। विल जैक्स और गस एटकिंसन ने नौवें विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी। एटकिंसन 29 रन बनाकर नाबाद रहे। बियर्डमैन ने वापसी करते हुए जोफ्रा आर्चर को गली में कैच कराकर अपना छठा विकेट पूरा किया। इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रन पर आउट हो गई। 132 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गस एटकिंसन ने शुरुआती झटका दिया। उन्होंने ट्रैविस हेड को पहली ही गेंद पर बोल्ड कर दिया। हेड एक बार फिर गेंद को अपने विकेटों पर खींच बैठे। हालांकि, इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोला। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की और महज 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। उनकी पारी में चार छक्के और चार चौके शामिल रहे। मार्श का विकेट जेमी ओवरटन ने लिया, लेकिन तब तक ऑस्ट्रेलिया जीत के करीब पहुंच चुका था।

एक नजर

भारत के लिए प्रस्तावित नेपाली राजदूत निश्चलनाथ पाण्डे का मिला एग्रीमो, जल्द होगी औपचारिक नियुक्ति



काठमांडू,एजेंसी। भारत के लिए नेपाल की ओर से प्रस्तावित राजदूत डॉ. निश्चलनाथ पाण्डे का नई दिल्ली की तरफ से राजनयिक सहमति (एग्रिमो) मिल गई है। संसदीय सुनवाई समिति से राजदूत पद के लिए प्रस्तावित नामों को मंजूरी मिलने के बाद सरकार ने उनके नाम को संबंधित देशों को एग्रिमो के लिए भेजे थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार 10 प्रस्तावित राजदूतों के नाम एग्रिमो के लिए भेजे गए थे, जिनमें शुक्रवार तक तीन देशों से सहमति प्राप्त हो चुकी है। भारत के लिए डॉ. निश्चलनाथ पांडे, चीन के लिए डॉ. कल्याण राज शर्मा और इजरायल के लिए सुरेश कुमार कर्ण के नामों को संसदीय सुनवाई समिति ने मंजूरी दी थी। संबंधित देशों से एग्रिमो मिलने के बाद अब इन तीनों की राजदूत के रूप में नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रपति की ओर से नियुक्ति की औपचारिकता पूरी होने के बाद वे संबंधित देशों में अपना कार्यभार संभालने जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक सोमवार तक उनकी नियुक्ति होने की संभावना है। नेपाल के प्रधानमंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा की तारीख भी नजदीक आ रही है। ऐसे में यात्रा की तैयारियों और राजनयिक समन्वय के लिए भारत में नेपाली राजदूत की नियुक्ति आवश्यक मानी जा रही है। इसी वजह से एग्रिमो प्राप्त कर चुके राजदूत पाण्डे की नियुक्ति जल्द करने की तैयारी की जा रही है। अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी समेत सात देशों से प्रस्तावित राजदूतों के एग्रिमो का इंतजार है। एग्रिमो वह औपचारिक राजनयिक सहमति है, जो कोई देश दूसरे देश की ओर से प्रस्तावित व्यक्ति को अपने यहां राजदूत नियुक्त किए जाने से पहले प्रदान की जाती है।

नेपाल के नवनियुक्त भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला ने दो मंत्रियों से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा



काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के लिए नवनियुक्त भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला ने शुक्रवार को नेपाल सरकार के दो संघीय मंत्रियों के साथ मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के मुद्दों पर चर्चा की। सिंहदरबार पहुंचकर राजदूत दलेला ने संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री खडक प्रसाद पौडेल और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री सुनील लम्साल से अलग-अलग मुलाकात की। भारतीय दूतावास ने मुलाकातों की जानकारी देते हुए कहा कि भारत और नेपाल के बीच मित्रता एवं सहयोग के संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए भारत प्रतिबद्ध है। दूतावास के अनुसार पर्यटन मंत्री खडक प्रसाद पौडेल के साथ कनेक्टिविटी, दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा देने से जुड़े मुद्दों पर सार्थक विचारों का आदान-प्रदान हुआ। इसी तरह, भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्री सुनील लम्साल के साथ मुलाकात में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा हुई। दूतावास ने बताया कि दोनों पक्षों ने बहुआयामी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर भी विचार-विमर्श किया।

गुरुवार को हुए बस दुर्घटना में शुक्रवार को 4 और शव बरामद, मरने वालों की संख्या 14 पहुंची



काठमांडू। नेपाल के मकवानपुर जिले के भीमफेदी में बृहस्पतिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। हादसे में जान गंवाने वाले 11 लोगों की पहचान हो चुकी है, जबकि तीन अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मकवानपुर जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, हादसे में मारे गए 10 लोगों के शव हेटौंडा अस्पताल लाए गए थे। इसके बाद आज शुक्रवार को दुर्घटनास्थल से चार और शव बरामद किए गए। सशस्त्र पुलिस बल के संयुक्त प्रवक्ता डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने इसकी जानकारी दी। वाहन में कुल 20 लोग सवार थे, जिनमें से 14 की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हुए हैं। मकवानपुर पुलिस के प्रवक्ता डीएसपी माधव काफ्ले के अनुसार, हादसे में वाहन चालक रविशंकर कुमार मंडल (30), निवासी की भी मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले अन्य लोगों में चक्रघट्टा के बिकेश यादव (26), पूनम यादव (35), दीक्षा यादव (7), दीपिका यादव (5), अनु कुमारी यादव (10), गुड्डू यादव (36), गायत्री देवी (32), रामदुलार यादव (26), सुबोध यादव (25) और रोहन यादव (15) शामिल हैं। डीएसपी काफ्ले के अनुसार, पूनम, विवेक, दीक्षा, दीपिका और अनु एक ही परिवार के सदस्य हैं। दीक्षा, दीपिका और अनु पूनम की बेटियां थीं। हादसे में घायल सभी छह लोगों को बचाकर हेटौंडा अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में सर्लाही के मुकेश यादव (33), सक्षम कुमार यादव (5) और देवेंद्र राय (26) को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं, तीन वर्षीय सुजन यादव और 14 महीने के सुदीप यादव को आगे के उपचार के लिए काठमांडू स्थित मेडिसिटी अस्पताल रेफर किया गया है। इसी तरह 31 वर्षीय देवेंद्र राय उर्फ बेचू को बेहतर उपचार के लिए चितवन के मनकामना अस्पताल भेजा गया है।

यूएई में सड़क हादसा, 14 की मौत, जान गंवाने वालों में भारतीय मूल के जुड़वां भाई-बहन और मासूम



अबू धाबी/दुबई,एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह अमीरात में सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस हादसे में 18 वाहन टकरा गए। इसके बाद कुछ में आग लग गई। इन वाहनों में पांच ट्रक शामिल हैं। जान गंवाने वालों में कार सवार भारतीय मूल के जुड़वां भाई-बहन (21 वर्षीय मोहम्मद अस्मिल सिद्दीकी-मिसना जुबिन सिद्दीकी) और उनका तीन वर्षीय भतीजा मोहम्मद फैज शामिल है।

गल्फ न्यूज और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार फुजैराह पुलिस ने बताया कि बुधवार आधी रात से कुछ पहले फुजैराह अमीरात के प्रवेश द्वार के पास शेख खलीफा बिन जायद रोड पर एक ट्रक चालक का अपने वाहन से नियंत्रण हट गया। पुलिस के मुताबिक इस ट्रक ने एक अन्य वाहन को टक्कर मारी। फिर पलट गया और धीमी गति से चल रहे ट्रैफिक के कारण रुके हुए कई अन्य वाहनों से जा टकराया। ट्रक में लगी आग कई क्षतिग्रस्त वाहनों तक फैल गई। फुजैराह पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल और झुलसे लोगों में से 15 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि 15 अन्य का अभी भी इलाज चल रहा है। मृतकों में अमीराती नागरिक भी शामिल हैं। शोकाकुल मूल रूप से केरल के रहने वाले इस भारतीय परिवार ने तीनों को यूएई में ही दफनाने का फैसला किया है। परिवार के सदस्य जमल सिद्दीकी ने बताया कि तीनों का अंतिम संस्कार शुक्रवार की नमाज के बाद फुजैराह की एक मस्जिद में किया जाएगा। दिवंगत जुड़वां भाई-बहन के बड़े भाई अजमल सिद्दीकी ने बताया कि अस्मिल और मिसना हाल ही में केरल से संयुक्त अरब अमीरात लौटे थे। इस बार अस्मिल अपनी पत्नी आरिफा और अपनी बेटी फरजाना को भी साथ लाए थे। फरजाना गृहिणी हैं। जुड़वां भाई-बहन केरल में पैदा हुए और पले-बढ़े। वहीं उन्होंने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की। इसके बाद वे फुजैराह आ गए, जहां 11वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की। वे डिस्टेंस लर्निंग के जरिए 'बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन' (बीसीए) की ऑनलाइन डिग्री कर रहे थे। अजमल ने बताया कि अस्मिल बुधवार रात परिवार कुछ सदस्यों के साथ एक रिश्तेदार को छोड़ने शारजाह गया था। वहां से लौटते समय रात करीब 11 बजे फुजैराह कोर्ट हाउस के पास उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। केरल में सिद्दीक के भाई की पत्नी मुमताज ने कहा कि परिवार इस खबर से पूरी तरह टूट गया है। जुड़वां भाई-बहन के पिता कई दशकों से यूएई में रह रहे हैं और फुजैराह में एक जाना-माना चेहरा हैं। वे 'ईवा कैफेटेरिया' चलाते हैं। केरल के मलप्पुरम जिले में कुन्नुमपुरम के 'अल जजीरा आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स क्लब' ने सोशल मीडिया पर अस्मिल को श्रद्धांजलि दी है। दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार दोपहर बताया कि अधिकारी पीड़ित परिवार के संपर्क में हैं। स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। पीड़ित परिवार की हर संभव मदद की जाएगी।

गिलगित-बाल्टिस्तान में वैन नदी में गिरी, 11 यात्रियों की मौत



इस्लामाबाद। गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत के घिजर जिले में एक यात्री वैन के यासीन नदी में गिर जाने से 11 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह हादसा गुरुवार देरशाम हुआ। इस यात्री वैन का ड्राइवर गिलगित से घिजर जाते वक्त यासीन घाटी में मोर्काह पुल के पास नियंत्रण खो बैठा। पलभर में वैन पलटते हुए यासीन नदी में जा गिरी।

डान की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने शुरुआत में बताया कि बचाव दलों ने 10 यात्रियों के शव निकाले, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इस दौरान तीन घायल यात्रियों को भी बचा लिया। सभी को इलाज के लिए गुपिस सिविल अस्पताल ले जाया गया। बाद में पुलिस ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि वैन सवार यासीन घाटी के रहने वाले हैं। प्रांत के मुख्यमंत्री अमजद हुसैन ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। सनद रहे, पिछले हफ्ते गिलगित से इस्लामाबाद जा रही एक बस हजारा मोटर-वे पर हवेलीयन इंटरचेंज के पास एक डंपर से टकरा गई थी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए थे। एक दिन पहले, पंजाब के पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए थे।

चीन दौरे पर जाएंगे नेपाल के 20 सांसद, 15 नवंबर से शुरू होगी 11 दिवसीय यात्रा

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के 20 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल चीन के दौरे पर जाने वाला है। पार्टी के महासचिव बिपिन कुमार आचार्य के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के निमंत्रण पर चीन जाएगा। नेपाली सांसदों की 11 दिवसीय यह यात्रा रविवार (15 नवंबर) से शुरू होगी।



प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के संयुक्त महासचिव हरि ढकाल, संसदीय दल के उपनेता गणेश पराजुली और मुख्य सचेतक कबीन्द्र बुर्लाकोटी हैं। इनके अलावा सांसद लीमा अधिकारी, समीक्षा बास्कोटा, सागर ढकाल, डॉ. आनंद बहादुर चंद, सुशांत वैदिक, रीमा विश्वकर्मा, डॉ. धनंजय रेग्मी, श्रीराम न्यौपाने, डॉ. राम लामा, गजाला शमीम मिक्रानी, पूनम अग्रवाल, रत्न थापा, डॉ. सुजाता तामांग, पुष्पा कुमारी चौधरी, अरविंद शाह और रमेश सापकोटा भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। चीन प्रवास के दौरान आरएसपी का प्रतिनिधिमंडल बीजिंग, हांगझोउ और सिचुआन सहित कई चीनी शहरों का दौरा करेगा।प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एवं पार्टी के विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्टार्टअप विभाग के प्रमुख आनंद चंद ने बताया कि वह इस यात्रा के दौरान चीन की नवाचार और तकनीकी प्रगति का अध्ययन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विशेष रुचि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, डिजिटल तकनीक, नवाचार और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में चीन की उपलब्धियों को समझने में है। साथ ही, वह इन क्षेत्रों में चीन की अपनाई गई नीतियों और विकसित संस्थागत व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करना चाहते हैं। प्रतिनिधिमंडल के एक अन्य सदस्य डॉ. धनंजय रेग्मी ने विश्वास जताया कि इस यात्रा से नेपाल और चीन के बीच आपसी समझ और घनिष्ठ संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

रेग्मी के अनुसार आरएसपी सांसदों का यह दौरा दोनों देशों के बीच ऐसे सहयोग की नींव रख सकता है, जिससे नेपाल को दीर्घकालिक आर्थिक, तकनीकी और विकास संबंधी लाभ मिल सकें। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि इस यात्रा से राजनीतिक संबंध मजबूत होंगे और भविष्य में उच्चस्तरीय यात्राओं के लिए आधार तैयार होगा।

बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत ने भारतीय उच्चायुक्त से मुलाकात की



ढाका (बांग्लादेश)। देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में स्वदेश वापसी की घोषणा से गरमाए माहौल के बीच गुरुवार को यहां बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत ब्रेंट टी. क्रिस्टेंसन ने भारतीय उच्चायोग में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी से मुलाकात की। अमेरिकी दूतावास के एक सूत्र ने इस मुलाकात की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि दोनों राजनयिकों के बीच क्या बातचीत हुई। सूत्र ने कहा, 'मैं बस इतना बता सकता हूं कि यह मुलाकात सुबह हुई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में इस मुलाकात की संक्षिप्त सूचना के साथ यह कहा गया कि यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब राजनीतिक माहौल काफी गरमाया हुआ है। ढाका लंबे समय से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। शेख हसीना ने खुद दिसंबर में स्वदेश लौटने का वादा किया है। उल्लेखनीय है कि राजदूत क्रिस्टेंसन इस साल 12 जनवरी को ढाका पहुंचे थे, जबकि उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी इस साल जून में आए हैं।

ढाका ट्रिब्यून की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना की वजह से पनपे विवाद के कारण बांग्लादेश-भारत के बीच द्विपक्षीय तंत्र ठप पड़ गया है। एक अधिकारी ने माना कि बांग्लादेश और भारत के बीच पानी, व्यापार, सीमा प्रबंधन सहित 40 से अधिक मसलों पर विचार-विमर्श बंद हो गया है। दोनों देशों के बीच 17-18 नवंबर को ढाका में होने वाला पांचवां काउंसलर संवाद रद हो गया है। हालांकि नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के मंत्री (प्रेस) सैदुर रहमान ने गुरुवार को कहा कि इस संवाद को उस अनुरोध के आने से एक हफ्ते पहले ही स्थगित कर दिया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र से जुड़ी बात कही गई। संवाद के रद होने का शेख हसीना की देश वापसी की किसी भी घोषणा से कोई लेना-देना नहीं है। बांग्लादेश-भारत के संवाद तंत्र की शुरुआत 2017 में हुई थी। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच काउंसल मामलों, वीजा और आपसी कानूनी सहायता पर बातचीत का एक नियमित जरिया बनाकर लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करना था। दोनों देशों के बीच संवाद की तैयारियों के तहत 3 नवंबर को ढाका में विदेश मंत्रालय में एक अंतर-मंत्रालयी बैठक हुई थी। इस संवाद में सीमा पार के मुद्दों, सीमा प्रबंधन, वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने, एक-दूसरे के देश में हिरासत में लिए गए नागरिकों की वापसी, मछुआरों की रिहाई और उन्हें वापस भेजने आदि विषयों पर चर्चा होनी थी। संवाद का चौथा दौर 29 मई 2024 को नई दिल्ली में हुआ था। इस बीच, जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद और सीमा पार जल प्रबंधन से जुड़ी नई चुनौतियां और भी गंभीर होती जा रही हैं। गंगा जल संधि के संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 3 नवंबर को कहा कि उनके पास एक 'संयुक्त नदी आयोग' है। उन्होंने कहा, 'गंगा सहित सीमापार की सभी नदियों पर चर्चा करने के लिए यही वह व्यवस्थित तंत्र है। जहां तक इस मामले में किसी और प्रगति की बात है, तो मेरे पास अभी कोई नई जानकारी नहीं है।' गंगा जल संधि दिसंबर में समाप्त होने वाली है। इसलिए बांग्लादेश के सामने एक ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की चुनौती है, जिसमें पानी का बंटवारा न्यायसंगत और टिकाऊ हो। साथ ही, उसे अन्य साझा नदियों पर भी सहयोग को मजबूत करना होगा।

जेलेंस्की से मिले अमेरिकी दूत, रूस के राष्ट्रपति पुतिन से हुई वार्ता की जानकारी दी

डबलिन (आयरलैंड)। अमेरिकी दूत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामादजेरेड कुशनर एवं स्टीव विटकोफ गुरुवार देर रात आयरलैंड पहुंचे। दोनों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मॉस्को में हुई अपनी पिछली बातचीत के बारे में जानकारी दी। दोनों अबू धाबी में रूस, यूक्रेन और अमेरिका के वार्ताकारों के बीच हुई दो दिनों की बातचीत के बाद डबलिन पहुंचे। फरवरी के बाद यह अपनी तरह की पहली बातचीत है, जो किसी ठोस नतीजे के बिना खत्म हुई। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, डबलिन में बैठक के बाद जेलेंस्की ने पत्रकारों से कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई बातचीत बहुत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा, 'इससे उम्मीद बढ़ी है कि हम इस युद्ध को खत्म कर पाएंगे। इस बैठक के बाद एक और बैठक होगी और हर बैठक का कोई न कोई नतीजा निकलना चाहिए, जो हमें शांति के और करीब ले जाए।

विटकोफ और कुशनर के साथ गुरुवार रात मौजूद जेलेंस्की ने यह भी कहा कि हाल ही में युद्धबंदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली होगी। उन्होंने इसे 'एक वास्तविक परिणाम' बताया। इस अवसर पर कुशनर ने कहा कि यूक्रेन के लिए युद्ध के बाद की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम चल रहा है। इससे पहले मॉस्को से रवाना होने से ठीक पहले विटकोफ ने व्नुकोवो हवाई अड्डे पर कहा, 'मुझे लगता आज कुछ प्रगति हुई है। लोगों को नहीं लगा था कि हम त्रिपक्षीय बातचीत फिर से शुरू कर पाएंगे, लेकिन हमने इसे फिर से शुरू कर दिया है। हमने एक नई बैठक भी तय कर ली है।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप यही देखना चाहते हैं। विटकोफ ने यह भी संकेत दिया कि यूक्रेन संघर्ष पर होने वाली अगली बातचीत में यूरोपीय प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'वे हमारे साझेदार हैं और उनका इसमें शामिल होना महत्वपूर्ण है।' बाद में कुशनर ने भी इसी बात को दोहराया। जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'यूरोपीय लोगों की मौजूदगी के बिना हम इस समझौते को पूरा नहीं कर सकते।'



सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में पांच प्रमुख एआई डेवलपर्स के खिलाफ मुकदमा

वाशिंगटन (अमेरिका)। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के प्रमुख शहर सैन फ्रांसिस्को की सुपीरियर कोर्ट में गैर-लाभकारी समूहों के एक गठबंधन ने गुरुवार को पांच प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेवलपर्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इनका मकसद इन कंपनियों को एआई मॉडल विकसित करने से रोकना है। आरोप है कि इन कंपनियों ने जानबूझकर ऐसी तकनीक का निर्माण किया है, जो मानवता के लिए विनाशकारी जोखिम पैदा करती है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह मुकदमा सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में 'अलायंस फॉर सिक्योर एआई' ने दायर किया है। इसमें 'इरिप्लेसेबल एजुकेशन फंड', 'पब्लिक सिटीजन' और 'हीट इनिशिएटिव' जैसे वकालत करने वाले समूह भी शामिल हैं। मुकदमे में एंथ्रोपिक, गूगल, मेटा, ओपनएआई और स्पेसएक्सएसआई को नामजद किया गया है।

'अलायंस फॉर सिक्योर एआई' के सीईओ ब्रेंडन स्टीनहाउसर ने बयान में कहा, 'इनके अधिकारियों ने सालों से हमें चेतावनी दी है कि उनके अपने अत्याधुनिक मॉडल विनाशकारी जोखिम पैदा करते हैं।' उन्होंने कहा, 'इसके बावजूद वे लगातार और भी अधिक शक्तिशाली एआई विकसित करने और उसे बाजार में उतारने की होड़ में लगे हैं। वे खुद मानते हैं कि वे इसे भरोसेमंद तरीके से नियंत्रित नहीं कर सकते। अब तो वे एआई के अनुसंधान और विकास का काम भी खुद एआई को ही सौंप रहे हैं। मुकदमे में नामजद टेक कंपनियों ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह कानूनी कार्रवाई एआई सुरक्षा को लेकर व्यापक चिंताओं के बीच सामने आई है। हाल ही में सार्वजनिक रूप से ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एआई एजेंट अनियंत्रित हो गए और उन्होंने बिना किसी अनुमति के काम किए। गैर-लाभकारी समूहों का तर्क है कि एआई कंपनियां ऐसी तकनीक विकसित कर रही हैं, जिसे नियंत्रित न कर पाने की बात वे खुद स्वीकार कर चुकी हैं। मुकदमे के अनुसार, जैसे-जैसे ये कंपनियां भविष्य के प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए इनसानी दखल के बिना अपने ही एआई मॉडल पर अधिक निर्भर होती जाएंगी, यह जोखिम और भी बढ़ सकता है। इस प्रक्रिया को 'रिकर्सिव सेल्फ-इंप्रूवमेंट' कहा जाता है। मुकदमे में कहा गया है, 'प्रतिवादियों को पता है कि ये सिस्टम हमेशा उनके इरादों के मुताबिक काम नहीं करते हैं। साथ ही, प्रतिवादियों को यह भी पता है कि उनके एआई सिस्टम को नियंत्रित करने और उनसे होने वाले नुकसान को रोकने का कोई भरोसेमंद तरीका मौजूद नहीं है। गैर-लाभकारी संगठनों ने एआई कंपनियों के अधिकारियों की उन पुरानी टिप्पणियों का भी जिक्र किया है, जिनमें उन्होंने अपनी तकनीक से होने वाले संभावित नुकसान को स्वीकार किया था। उदाहरण के लिए 2015 में ओपेनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा था कि एआई की वजह से 'संभवत: दुनिया का अंत हो सकता है।

एक नजर

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब की उड़ानों पर 30 नवंबर तक लगाई रोक



नई दिल्ली,एजेंसी। टाटा समूह की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब के रियाद और दम्माम के लिए अपनी उड़ानें 30 नवंबर तक निलंबित कर दी हैं। जेद्दाह के लिए सेवाएं 21 नवंबर तक स्थगित रहेंगी। एयरलाइन के मुताबिक क्षेत्र में मौजूदा तनाव और सुरक्षा हालातों के मद्देनजर, सऊदी अरब के लिए अपनी कुछ उड़ानों को अभी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। कंपनी ने बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए रियाद और दम्माम से आने-जाने वाली एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें 30 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। एयर इंडिया ने कहा कि जेद्दा से आने-जाने वाली उड़ानें 21 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। जिन यात्रियों के पास 10 नवंबर या उससे पहले की कन्फर्म बुकिंग है, वे उपलब्धता के आधार पर अपनी यात्रा को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के रीशेड्यूल (पुनर्निर्धारित) कर सकते हैं, या बुकिंग रद्द करके पूरा रिफंड ले सकते हैं। एयरलाइन ने बताया कि एयर इंडिया के यात्री सऊदी अरब में एयर इंडिया के किसी भी चालू स्टेशन से अपनी यात्रा को रीशेड्यूल कर सकते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्री सऊदी अरब या बहरीन में एयर इंडिया एक्सप्रेस के किसी भी चालू स्टेशन से अपनी यात्रा को रीशेड्यूल कर सकते हैं। रियाद और दम्माम की बुकिंग के लिए, नई यात्रा 14 दिसंबर तक पूरी की जा सकती है। एयर इंडिया ने कहा कि जेद्दा की बुकिंग के लिए नई यात्रा 5 दिसंबर तक पूरी की जा सकती है। यात्रा को रीशेड्यूल करने या रिफंड पाने में मदद के लिए, यात्री हमारी सपोर्ट टीम से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा एयर इंडिया के +91 11 69329333 / +91 11 69329999, एयर इंडिया एक्सप्रेस के +91 124 6935600। मोबाइल नंबर पर यात्री हमारे सिटी बुकिंग ऑफिस के जरिए भी संपर्क कर सकते हैं।

यूनिक्लो की राजस्थान में एंट्री, जयपुर के पैसिफिक मॉल में खोला पहला स्टोर

जयपुर,एजेंसी। जापान की ग्लोबल अपैरल रिटेलर कंपनी यूनिक्लो ने राजस्थान में अपना पहला स्टोर जयपुर के पैसिफिक मॉल में खोला है। इसके साथ ही कंपनी ने प्रदेश के बाजार में प्रवेश किया है। करीब 14 हजार 500 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह स्टोर भारत में कंपनी का 22वां स्टोर है। यहां पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए कपड़ों की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराई गई है। स्टोर में कंपनी का फॉल-विंटर कलेक्शन भी पेश किया गया है। इसमें हीटटेक, फ्लीस, पफटेक, सूफ्ले यार्न, निटवेयर और यूनीक्लो : सी जैसे कलेक्शन शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, ये उत्पाद रोजमर्रा की जरूरतों और अलग-अलग जीवनशैली को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। स्टोर के उद्घाटन समारोह में स्थानीय संस्कृति और परंपरा की झलक भी देखने को मिली। रिबन कटिंग कार्यक्रम में शामिल लोगों ने यूनिक्लो के खास लाल रंग से मेल खाते रंगों के साफे पहने। कंपनी ने जयपुर में अपनी शुरुआत को खास बनाने के लिए स्थानीय संस्थाओं और कलाकारों के साथ कई पहल भी की हैं। इसके तहत प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन के साथ मिलकर यूटीमी (UTme!) टी-शर्ट का विशेष कलेक्शन तैयार किया गया है, जिसमें जयपुर की संस्कृति और पहचान को दर्शाया गया है। वहीं, जयपुर की कलाकार श्रेया पराशरमपुरिया के साथ तैयार किया गया एक विशेष चित्र गुलमेहर फाउंडेशन के सहयोग से हाथ से बनाए गए टोट बैग पर प्रिंट किया गया है। कंपनी ने 'जयपुर वेयर्स लाइफवियर' अभियान के तहत शहर की विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों को भी शामिल किया। इनमें नेहा लूथरा, प्रियम्वदा गोलछा, श्रेया पराशरमपुरिया, तेजस्वी चंडेला, समर्थ कासलीवाल, कुलदीप सिंह राठौड़ और अनंतजीत सिंह शामिल हैं। अभियान के माध्यम से इन लोगों की व्यक्तिगत पसंद और कहानियों के जरिए कंपनी के लाइफवियर कलेक्शन को प्रदर्शित किया गया।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम हों : योगी



लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी छठ महापर्व की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि छठ लोक आस्था, अनुशासन, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व है। प्रदेश के वाराणसी, गोरखपुर, बलिया, आजमगढ़, चंदौली, भदोही, खीरी, गाजीपुर, लखनऊ, गाजियाबाद, बस्ती और कानपुर नगर सहित विभिन्न जनपदों में लाखों श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ इस पर्व में सहभागी होंगे। ऐसे में सभी संबंधित जनपदों में समय रहते व्यापक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर को सायंकाल अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि 16 नवंबर को प्रात:काल उदय होते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में छठ पूजा के प्रमुख स्थलों और घाटों का पहले से निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और संपर्क मार्गों को दुरुस्त कराया जाए। घाटों पर स्वच्छ पेयजल, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी की जाए। पूजा स्थलों तक पहुंचने वाले मार्ग साफ-सुथरे और सुगम रहें। व्रतियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि घाटों पर जलस्तर और गहराई का आकलन कर संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया जाए। वहां मजबूत बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेतक लगाए जाएं। पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित गोताखोरों, नावों और जल पुलिस की तैनाती हो। किसी भी श्रद्धालु को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएं। प्रमुख घाटों पर सीसीटीवी कैमरों और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से निरंतर निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा तथा सुविधा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्रमुख घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। पुलिसकर्मियों की काउंसिलिंग कर उन्हें संयमित, संवेदनशील और सहयोगपूर्ण व्यवहार के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जाए। प्रत्येक जिले में कंट्रोल रूम स्थापित कर घाटों और आसपास के क्षेत्रों की व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जाए। भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए प्रभावी यातायात योजना तैयार की जाए। प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति न बनने पाए। इसके लिए आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन लागू करने के साथ ही वाहनों के लिए पहले से पार्किंग स्थल चिह्नित किए जाएं।

देश का निर्यात अक्टूबर में 29.9 फीसदी बढ़कर 89.99 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश का निर्यात अक्टूबर में करीब 30 फीसदी की शानदार बढ़त के साथ 89.99 अरब डॉलर तक पहुंच गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 69.27 अरब डॉलर रहा था। व्यापार घाटा कम होकर 20.09 अरब डॉलर रह गया है, जबकि पिछले साल अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा 25.15 अरब डॉलर था। निर्यात में आई तेजी ने देश की व्यापारिक स्थिति को काफी मजबूत किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर में आयात बढ़कर 110.07 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 94.42 अरब डॉलर रहा था। अप्रैल-अक्टूबर 2026-27 के दौरान रत्न और आभूषणों का निर्यात अप्रैल-अक्टूबर 2025-26 की तुलना में 40.06 फीसदी बढ़कर 3.21 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-अक्टूबर 2025-26 की तुलना में अप्रैल-अक्टूबर 2026-27 के दौरान ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक रसायनों का निर्यात 36.20 फीसदी बढ़कर 2.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। मंत्रालय ने बताया कि अप्रैल-अक्टूबर 2025-26 की तुलना में अप्रैल-अक्टूबर 2026-27 के दौरान इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात 36.01 फीसदी बढ़कर 12.74 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल-अक्टूबर के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान का निर्यात बढ़कर 6.64 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले इसमें 62.70 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रॉनिक सामान का बढ़ता निर्यात भारत के कुल वस्तु निर्यात को मजबूती दे रहा है। भारत के वस्तुओं के निर्यात में 21.96 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल-अक्टूबर के दौरान वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 309.06 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 21.96 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय ने कहा कि यह बढ़ोतरी भारत के वस्तुओं के निर्यात की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसके बढ़ते योगदान को भी दर्शाती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल-अक्टूबर के दौरान भारत का कुल निर्यात (वस्तुओं और सेवाओं सहित) बढ़कर 568.84 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 16.66 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। ये बढ़ोतरी वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती भागीदारी और वस्तुओं व सेवाओं के निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि को दर्शाती है।

युवा राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करें, नशे से दूर रहकर आधुनिकता के साथ संस्कृति को अपनाएं : राज्यपाल

देहरादून,एजेंसी। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने और आधुनिकता एवं तकनीक को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को नशे से दूर रखकर सकारात्मक कार्यों में लगाएं। स्वस्थ, संयमित और अनुशासित युवा ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

राज्यपाल ने शुक्रवार को लोक भवन के प्रेक्षागृह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि उनकी जिज्ञासाओं में ज्ञान की ललक, भविष्य के प्रति आशाएं और समाज एवं राष्ट्र के लिए कुछ करने का संकल्प दिखाई देता है। यही युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चेतना का मूल मंत्र राष्ट्र प्रथम है। इसका अर्थ परिवार और व्यक्तिगत दायित्वों की उपेक्षा करना नहीं, बल्कि अपने प्रत्येक प्रयास और उपलब्धि को राष्ट्रहित से जोड़ना है। विद्यार्थी का निष्ठापूर्वक अध्ययन, वैज्ञानिक का अनुसंधान, सैनिक का सीमाओं की रक्षा करना, चिकित्सक की सेवा और उद्यमी का रोजगार सृजन भी राष्ट्रसेवा के ही स्वरूप हैं। सत्यनिष्ठा, अनुशासन, परिश्रम, विनम्रता, संवेदनशीलता और आत्मसंयम जैसे गुण व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाते हैं। राज्यपाल ने युवाओं से नागरिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्ति और सुविधाएं सामूहिक धरोहर हैं। उनकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए युवाओं का स्वस्थ और ऊर्जावान होना आवश्यक है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा सकारात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए। योग, खेल, व्यायाम, ध्यान, साहित्य और अच्छी संगति को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं का शरीर और प्रतिभा राष्ट्र की अमानत हैं। डॉ. बिसेन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आधुनिकता और तकनीक के क्षेत्र में युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, कौशल भारत, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, खेलो इंडिया और मेरा युवा भारत जैसी पहल शिक्षा, कौशल, नवाचार, उद्यमिता और नेतृत्व के नए अवसर उपलब्ध करा रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत-2047 केवल राष्ट्रीय लक्ष्य नहीं, बल्कि आज की युवा पीढ़ी के पुरुषार्थ, प्रतिभा और संकल्प से जुड़ा ऐतिहासिक दायित्व है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवान पंचतत्व में विलीन, हादसे में हो गयी थी मौत

गढवा,एजेंसी। जिस बेटे को कुछ दिन पहले हंसते-मुस्कुराते घर से बाजार जाते देखा था, शुक्रवार को उसी का पार्थिव शरीर घर पहुंचा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की वीआइपी सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवान ओमप्रकाश गुप्ता की असामयिक मौत ने गढवा के भवनाथपुर इलाके को गहरे शोक में डुबो दिया। कर्पूरी चौक पर अपने चहेते जवान के अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। पार्थिव शरीर देखते ही परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। हर आंख नम थी और हर चेहरा उदास था। देश की सुरक्षा में सेवा देने वाले ओमप्रकाश को शुक्रवार को उनके अपने शहर ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

इस दुखद घड़ी में सीआरपीएफ के जवानों ने जिस तरह अपनी जिम्मेदारी निभायी, वह मानवीय संवेदना और साथी के प्रति समर्पण की मिसाल बन गयी। घायल ओमप्रकाश के बेहतर इलाज से लेकर पार्थिव शरीर को भवनाथपुर पहुंचाने और अंतिम संस्कार की व्यवस्था तक सीआरपीएफ के जवान परिवार के साथ खड़े रहे। गढ़वा में तैनात 172 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट अजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में जवानों ने इलाज के दौरान भी हर संभव सहयोग किया। पार्थिव शरीर भवनाथपुर पहुंचने पर 172 बटालियन सीआरपीएफ के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। अंतिम संस्कार में भी जवानों ने पूरे सम्मान के साथ अपनी जिम्मेदारी निभायी। मौके पर सीआरपीएफ की ओर से मृतक जवान की पत्नी उर्मिला देवी को एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गयी। भवनाथपुर बाजार के कर्पूरी चौक निवासी सेवानिवृत्त सेल कर्मी विश्वनाथ साह के तीसरे पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता वर्ष 2014 बैच के



सीआइएसएफ जवान थे।

वर्तमान में उनकी तैनाती दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की वीआइपी सुरक्षा टीम में थी। वे छह नवंबर को छुट्टी लेकर घर आये थे। नौ नवंबर को बाइक से भवनाथपुर बाजार जाने के दौरान पेट्रोल पंप मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी। हादसे में गंभीर रूप से घायल ओमप्रकाश को परिजन तत्काल मेदिनीनगर ले गये। घटना की सूचना मिलने पर सीआरपीएफ कमांडेंट अजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में जवानों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के राज अस्पताल पहुंचाया। स्थिति में सुधार नहीं होने पर एयर एंबुलेंस से दिल्ली एम्स भेजा गया। वहां इलाज के दौरान 11 नवंबर की देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। ओमप्रकाश का पार्थिव शरीर पहुंचने पर पूर्व विधायक सह भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, झामुमो नेता ताहिर अंसारी, प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, जिला परिषद सदस्य रजनी शर्मा, भवनाथपुर मुखिया बेबी देवी, थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी सहित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया। सभी ने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। मृतक जवान का अंतिम संस्कार चपरी श्मशान घाट पर किया गया, जहां पिता विश्वनाथ साह ने मुखाग्नि दी। अंतिम विदाई में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

जनजातीय साहित्य को मिलेगा नया मंच, पुस्तक मेले में बनेगा विशेष खंड

नई दिल्ली,एजेंसी। जनजातीय भाषाओं, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का शुक्रवार को समापन हो गया। जनजातीय गौरव पखवाड़े के तहत जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित इस महोत्सव में देशभर से आए साहित्यकारों, शोधकर्ताओं, कवियों और विशेषज्ञों ने जनजातीय साहित्य, मौखिक परंपराओं और भाषाई विविधता के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।



समापन समारोह में जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा ने कहा कि जनजातीय भाषाओं और साहित्य को जीवित रखने के लिए केवल आयोजन करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन भाषाओं में लिखी पुस्तकों को पाठकों तक पहुंचाना और लेखकों को प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। महोत्सव में 27 जनजातीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व इस बात का प्रमाण है कि भाषाई विविधता के बावजूद साहित्य और अभिव्यक्ति की मूल संवेदना एक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपनी मातृभाषा में भावनाओं और रचनात्मक विचारों को सबसे प्रभावशाली ढंग से व्यक्त कर सकता है। इसलिए जनजातीय भाषाओं का संरक्षण समुदायों की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक ज्ञान को सुरक्षित रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने जनजातीय संगीत और पारंपरिक धुनों के कॉपीराइट संरक्षण के लिए मंत्रालय की पहल की जानकारी देते हुए बताया कि इंडियन परफॉर्मिंग राइट्स सोसाइटी (आईपीआरएस) के सहयोग से जनजातीय संगीतकारों, गायकों और गीतकारों के हितों के संरक्षण के लिए 'लिविंग रूट्स ओरिजिनल्स' नाम से संगीत लेबल शुरू किया गया है। चोपड़ा ने जनजातीय साहित्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाने के लिए एक और महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) की ओर से प्रगति मैदान में आयोजित होने वाले पुस्तक मेले में जनजातीय साहित्य के लिए विशेष स्टॉल अथवा अलग खंड स्थापित किया जाएगा। इसके लिए जनजातीय लेखकों और प्रकाशकों से उनकी पुस्तकों का विवरण मांगा जाएगा, ताकि उनकी रचनाओं को प्रदर्शित कर अधिक से अधिक पाठकों तक पहुंचाया जा सके। इससे पहले साहित्य अकादेमी के पूर्व सचिव के. श्रीनिवास राव ने महोत्सव के निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसमें 27 भाषाओं के 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 23 विशुद्ध जनजातीय भाषाएं थीं। उन्होंने कहा कि मौखिक परंपराएं जनजातीय समुदायों की पहचान, इतिहास, प्रकृति से उनके संबंध, सामाजिक मूल्यों और सामूहिक स्मृति की वाहक हैं। इन्हें केवल अतीत की धरोहर मानना उचित नहीं है, क्योंकि समकालीन जनजातीय साहित्य विस्थापन, वन एवं भूमि अधिकार, सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, पर्यावरण और आधुनिकता जैसी चुनौतियों को भी अभिव्यक्त कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मौखिक और लिखित साहित्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। जनजातीय साहित्य को भारतीय साहित्य का अभिन्न हिस्सा मानते हुए विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों, शोध कार्यक्रमों, अनुवाद परियोजनाओं और प्रकाशन के मुख्य मंचों पर उचित स्थान दिया जाना चाहिए। साथ ही संकटग्रस्त मौखिक परंपराओं का दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण और युवा पीढ़ी को मातृभाषा में लेखन के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।महोत्सव के दूसरे दिन पहले सत्र में 'मौखिक महाकाव्य और वीर परंपराएं : जनजातीय समुदायों की महाकाव्य कल्पना' विषय पर गुजरात, राजस्थान और मणिपुर के विशेषज्ञों ने विचार रखे। प्रकाश झा के संचालन में आयोजित सत्र में लोक साहित्यकार एवं शोधकर्ता भगवान दास पटेल, कवि एवं अनुवादक उपेंद्र अणु तथा लोक साहित्य विशेषज्ञ मयांगलाम्बम सदानंद सिंह ने जनजातीय महाकाव्य परंपराओं के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। भगवान दास पटेल ने भील समुदाय की मौखिक परंपराओं पर चार दशक से अधिक के अपने शोध अनुभव साझा किए। उन्होंने 'भीलों नो भारत' और 'गुजरों नो अरेलो' जैसी कृतियों का उल्लेख करते हुए बताया कि करीब दस वर्षों तक एक हजार ऑडियो कैसेट के माध्यम से लोक साहित्य, आख्यानों, मंत्रों और महाकाव्यों का दस्तावेजीकरण किया गया। उन्होंने कहा कि इन महाकाव्यों में जीवन मूल्यों, गुरु के प्रति सम्मान, अहंकार के त्याग और स्त्री की प्रतिष्ठा जैसे संदेश समाहित हैं। उपेंद्र अणु ने गोंडवाणी, गोंड रामायण, लिंगा भारत, भीमा सिद्धि और भील महाभारत जैसी परंपराओं की चर्चा की। वहीं, मयांगलाम्बम सदानंद सिंह ने मणिपुर की 'वारी लीबा' कथावाचन परंपरा और 'खंबा थोइबी' महाकाव्य के साथ असम के कार्बी समुदाय की 'सबिन अलुन' रामायण तथा उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के पांडव नृत्य की जानकारी दी।

पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में भाजपा : मेघवाल

रूपनगर,एजेंसी। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी सुशासन और विकास को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाएगी।

रूपनगर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकारें सुशासन और विकास को प्राथमिकता देती हैं। पंजाब में भी पार्टी इन्हीं मुद्दों के आधार पर जनता का विश्वास हासिल करने का प्रयास करेगी। मेघवाल ने महाराजा रणजीत सिंह के शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके शासन में बेहतर प्रशासन और विकास को विशेष महत्व दिया जाता था। भाजपा भी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर पंजाब में सुशासन स्थापित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी



नीतियों और विकास कार्यों को पार्टी कार्यकर्ता लगातार जनता तक पहुंचा रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के संभावित गठबंधन को लेकर मेघवाल ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि इस विषय में पार्टी की ओर से उचित समय पर अलग से जानकारी साझा की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा संगठन आधारित राजनीतिक दल है। पार्टी की चुनावी तैयारियां किसी विशेष समय तक सीमित नहीं रहतीं। बूथ से लेकर मंडल और प्रदेश स्तर तक कार्यकर्ता लगातार सक्रिय रहते हैं। मेघवाल के बयान से स्पष्ट है कि भाजपा पंजाब में अपनी संगठनात्मक ताकत बढ़ाने के साथ सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी तैयारी कर रही है। हालांकि, अकाली दल के साथ संभावित गठबंधन को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)